हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 20 जुलाई 2025

11 सिरसा : सीईटी की परीक्षा के लिए बनाए 64 केंद्र, जांची सुविधाएं

12 बिना लिखित आदेश के बाल भवन में शिफ्ट किया पुस्तकालय

खबर संक्षेप

तीन सालों से फरार उद्घोषित अपराधी काबू

फतेहाबाद। टोहाना पुलिस ने आर्म्स एक्ट के एक मामले में पिछले तीन वर्षों से फरार चल रहे उद्घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है। थाना सदर टोहाना के प्रभारी उपनिरीक्षक शादी राम ने बताया कि उपनिरीक्षक हरदयाल सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी रोहित पुत्र राजकुमार उर्फ रामकुमार, निवासी धारसूल कलां को गिरफ्तार किया है।

हेरोइन सहित दो आरोपी गिरफ्तार

डबवाली। पुलिस ने गश्त व चेकिंग के दौरान गांव मौजगढ़ क्षेत्र से 11 ग्राम 40 मिली ग्राम हेरोइन सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शनिवार को एएनसी प्रभारी सूबे सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान विजय कुमार व गुजंट सिंह के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान गांव मौजगढ़ के बस अड्डा क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की।

शहर में नियमित चल रही योग कक्षाएं

रतिया। पतंजलि योग समिति एवं भारत स्वाभिमान ट्रस्ट द्वारा रतिया शहर में योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न जगहों पर नियमित योग कक्षाएं चल रही है, जिसमें प्रतिदिन काफी संख्या में साधक योगाभ्यास कर स्वास्थ्य लाभ उठा कर रहे हैं। इसी श्रृंखला में शक्ति नगर स्थित भोजा राम धर्मशाला प्रांगण में स्थाई योग कक्षा सुबह 5 से 6:30 तक चलती है।

धान की सीधी बिजाई: सत्यापन के दौरान पकड़ में आए किसान

अनुदान के लिए 41,000 किसानों ने करवाया फर्जी पंजीकरण

पात्र किसानों के खातों में 3.42 करोड़ की राशि जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

मेरा पानी मेरी विरासत योजना के तहत धान की सीधी बिजाई करने वाले किसानों में से 41 हजार से ज्यादा किसानों ने अपनी फर्जी पंजीकरण करवाया। यह किसान मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पर पंजीकरण करवाकर प्रति एकड़ 4 हजार रुपये की अनुदान राशि हड़पना चाहते थे। कृषि विभाग की टीम ने सत्यापन के दौरान इनका पंजीकरण फर्जी पाया जबकि 5073 एकड़ के पंजीकरण में धान की सीधी बिजाई दिखाई जबकि सत्यापन के दौरान धान की जगह किसी और फसल को पाया गया। शेष बची 8551 एकड़ के लिए सरकार ने 3 करोड़ 42 लाख 6 हजार 950 रुपये की राशि उनके खातों में जारी कर दी है। प्रदेश सरकार ने पानी की बचत के लिए मेरा पानी-मेरी विरासत योजना चला रखी है। इसके तहत बीते वर्ष तक किसानों को धान की रोपाई न करके सीधी बिजाई करने पर 4 हजार रुपये प्रति एकड़ अनुदान राशि दी जाती है। किसान को धान की सीधी बिजाई करने के लिए पोर्टल पर पंजीकरण करवाना होता है। इसके सत्यापन के बाद कृषि विभाग उन्हें 4 हजार रुपये प्रति एकड़ राशि जारी करता रहा है। हालांकि इस बार यह राशि बढ़ाकर 4500 रुपये प्रति एकड़ कर दी गई है। वर्ष 2024 में जिले के कुल 10964 किसानों ने 73842.37 एकड़ एरिया में धान की सीधी बिजाई (डीएसआर) को लेकर पंजीकरण किया था। कृषि विभाग ने सत्यापन के दौरान 25713.91 एकड़ में ही धान की सीधी बिजाई मिली जबकि 41049.97 एकड़ में धान की रोपाई पारम्परिक तरीके से की गई थी।

इसके अलावा 5073 एकड़ में धान की अलावा कोई और फसल की बिजाई की गई थी। ऐसे में इतने भारी पैमाने पर किसानों द्वारा अनुदान हड़पने के लिए फर्जी रजिस्ट्रेशन करने पर कृषि निदेशालय भी हरकत में आ गया और उन्होंने अपने स्तर पर जांच करवाई तो मामला सही पाया गया। इस जांच में सही लाभार्थी किसानों जिन्होंने डीएसआर द्वारा धान की रोपाई की थी, उन्हें अनुदान राशि मिलने में एक साल का समय लग गया।

कृषि निदेशालय ने पिछले दिनों कृषि विभाग के पास जिले के 1466 किसानों की 8551 एकड़ भूमि के लिए 3 करोड़ 42 लाख 6 हजार 950 रुपये की राशि उनके खातों में जारी कर दी।

फतेहाबाद। किसान द्वारा की गई धान की सीधी बिजाई। फोटो: हरिभूमि

4,500 रुपये प्रति एकड़ अनुदान राशि मिलेगी

जो किसान पानी बचाने के उद्देश्य से धान की सीधी बिजाई यानि डीएसआर विधि द्वारा धान की बिजाई करते हैं, सरकार ने उनके लिए मेरा पानी-मेरी विरासत योजना चला रखी है। इस योजना के तहत जो किसान धान की सीधी बिजाई करेगा, उन्हें 4500 रुपये प्रति एकड़ अनुदान राशि मिलेगी, साथ ही पानी की भी बचत होगी। किसानों को चाहिए कि वह पंजीकरण सही भूमि का करवाएं। फर्जी पंजीकरण मत करवाएं। इससे विभाग का टाइम खराब होता है। विभाग की टीमों को मौके पर जाकर फिजिकल वैरिफिकेशन करना होता है ताकि असली किसान अनुदान राशि से वंचित न रह जाएं।

-**राजपाल**, टीए, कृषि विभाग फतेहाबाद

मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

- अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारी संघ हरियाणा ने शनिवार को अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया जिसमें सभी कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस दौरान कर्मचारियों में भारी रोष देखने को मिला। प्रदेश प्रचार मंत्री प्रदीप कुमार सिरसा ने सभी कर्मचारियों की समस्याओं के बारे में जानकारी ली। प्रदेश महासचिव मनीष कुमार ने सभी को आश्वस्त किया कि जिन कर्मचारियों के ईपीएफ, ईएसआई, एलडब्ल्यूएफ और अन्य समस्याएं जो भी हों, वो संगठन को लिखकर दें, ताकि उनका समाधान करवाया जा सके। जॉब सिक्योरिटी एक्ट 2024 जो एक अहम मुद्दा है उसके प्रति सरकार के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा। या तो सरकार एसओपी जल्दी से जल्दी जारी करे, नहीं तो अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारी संघ संबंधित भारतीय मजदूर संघ के मार्गदर्शन में एक बड़ा आंदोलन करेगा जिसकी जिम्मेदारी हरियाणा सरकार की होगी। जिला संयोजक रवि कुमार शर्मा ने अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारी संघ को विश्वास दिलाया कि सभी कर्मचारी संगठन के साथ हैं और सरकार को समय रहते कर्मचारियों की मांग पूरी करनी चाहिए।

सिरसा। अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारी संघ मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुए।

हेरोइन तस्करी का मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

- पंजाब में काट रहा 10 साल की सजा

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

नशा मुक्त अभियान के तहत फतेहाबाद पुलिस को मादक पदार्थ तस्करी के एक मामले में सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस ने 20 ग्राम हेरोइन तस्करी के मामले में मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान धवन सिंह उर्फ बग्गा पुत्र बलबीर सिंह, निवासी चक टहली, जलालाबाद, जिला फाजिल्का, पंजाब के रूप में हुई है। उल्लेखनीय है कि इस मामले में पुलिस पहले ही दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। दरियापुर चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक शीशपाल ने बताया कि एवीटी स्टाफ के एएसआई रामकिशन के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि हरजिंद्र उर्फ राजू नामक व्यक्ति हेरोइन की सप्लाई करने वाला है। नाके के दौरान एक युवक संदिग्ध रूप से भागने लगा, जिसे तुरंत काबू कर तलाशी लेने पर 20 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

फतेहाबाद। हेरोइन तस्करी मामले में गिरफ्तार मुख्य सप्लायर।

दूसरे की जगह परीक्षा दे रहा छात्र पकड़ा

- हरियाणा परीक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज

सिरसा। एवी इंटरनेशनल स्कूल में 10वीं कक्षा की रि-अपीयर परीक्षा में पहचान बदलकर दूसरे की जगह परीक्षा दे रहे फर्जी छात्र को पुलिस ने काबू किया है। स्कूल प्रिंसिपल नीतू मदान द्वारा पुलिस को सूचित किया गया कि परीक्षा में मूल परीक्षार्थी पंकज पुत्र राजेंद्र कुमार निवासी सिरसा के स्थान पर प्रवीण कुमार पुत्र निहाल सिंह परीक्षा दे रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच करने पर पाया गया कि प्रवीण ने पंकज की रोल नंबर स्लिप के साथ परीक्षा दी और अटेंडेंस शीट व उत्तर पुस्तिका में हस्ताक्षर किए थे। जिस पर शहर थाना सिरसा में हरियाणा परीक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।

पुलिस नाके के विरोध में उतरे दुकानदार

- नवनिर्वाचित प्रधान बताई समस्या और जल्द समाधान करवाने की रखी मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭कालांवाली

शहर में रेलवे फाटक पर पुलिस द्वारा नाका लगाने पर दुकानदार विरोध में उतर आए हैं। दुकानदारों ने शनिवार को एकत्रित होकर रोष जाहिर किया और नवनिर्वाचित नगरपालिका प्रधान महेश झोरड़ को मौके पर बुलाकर इसे हटवाने की मांग की। दुकानदार हीरा लाल अरनेजा, टोनी, लक्की गोयल, कपिल अरोड़ा, विक्की अरोडा, हनीश जैन, रिंकू गर्ग ने बताया कि कालांवाली पुलिस की ओर से हमारी सुरक्षा के लिए रेलवे फाटक पर ट्रैफिक पुलिस तैनात की है जोकि सुबह से लेकर शाम तक वहां पर खड़ी होकर अपनी डयूटी देते है और वाहनों के चालान की जांच कर चालान करते है। उन्होंने बताया कि ट्रैफिक पुलिस के चालान काटने से उन्हें कोई इतराज नहीं है। लेकिन पुलिस टीम के दिनभर एक जगह पर खड़े रहने के कारण पुलिस के डर से पुरानी मंडी में कोई भी ग्राहक नहीं आ रहे। ग्राहक ना आने के कारण उनका व्यापार पूरी तरह से ठप हो गया है। उन्होंने बताया कि वे छोटे दुकानदार है और किराये पर दुकान लेकर अपना काम कर रहे है, लेकिन पुलिस नाका लगने के बाद उनका व्यापार ठप हो गया है।

सिरसा। पुलिस नाके के विरोध में एकत्रित दुकानदार। फोटो: हरिभूमि

दुकानों की चाबियां सौंपने की चेतावनी

दुकानदारों ने कहा कि माना पुलिस हमारी सुरक्षा के लिए लगाई गई है। लेकिन यदि दुकानदारी में घाटा पड़ रहा है तो ऐसी सुरक्षा का भी क्या मायने। पुलिस को चाहिए कि वो शहर सीमा पर बिना नंबर प्लेट, बिना कागजात वाले वाहनों के चालान करें। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उनकी समस्या का जल्द कोई उचित समाधान नहीं निकला तो पुरानी मंडी के सभी दुकानदार अपनी दुकानों को ताला लगाकर प्रशासन को चाबियां सौंप देंगे।

अवैध पिस्तौल सहित आरोपी काबू

फतेहाबाद। अवैध हथियारों की तस्करी और उनके अवैध रख-रखाव के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत फतेहाबाद पुलिस ने एक युवक को अवैध पिस्तौल सहित गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 32 बोर की पिस्तौल और एक खाली कारतूस बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान वीरभान उर्फ गोलू पुत्र धर्मपाल, निवासी गली नंबर 16, शास्त्री नगर, केमरी रोड, हिसार के रूप में हुई है। थाना शहर फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्रा ने बताया कि मुख्य सिपाही कुलदीप सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम गश्त के दौरान एनएच-9 के समीप भुना पुल के नीचे पहुंची थी। वहां एक युवक संदिग्ध अवस्था में खड़ा दिखाई दिया, जो पुलिस को देखकर अचानक मुड़कर तेजी से जाने लगा। पुलिस टीम ने संदेह के आधार पर उसे रोका और पूछताछ में उसने अपना नाम वीरभान उर्फ गोलू बताया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक 32 बोर की अवैध पिस्तौल और एक खाली कारतूस बरामद हुआ।

सेक्टर-3 में नहरी पानी की मांग

फतेहाबाद। सेक्टर-3 की रेजिडेंट्स वेलफेयर सोसायटी ने क्षेत्र में नहरी पानी की भारी कमी को लेकर हरियाणा सरकार से मांग उठाई है। इस संबंध में सोसायटी ने बीते दिन एक ज्ञापन हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा को सौंपा। ज्ञापन में सेक्टर-3 में जल्द से जल्द नहरी पानी उपलब्ध करवाने की मांग की गई है। सेक्टर तीन रेजिडेंट्स वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष अशोक तनेजा ने बताया कि फतेहाबाद का यह सेक्टर कई वर्षों पहले फतेहाबाद शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा काटा गया था, और अब तक यहां 75 प्रतिशत से अधिक आबादी बस चुकी है। इसके बावजूद इलाके में अभी तक स्वच्छ पीने योग्य नहरी पानी की व्यवस्था नहीं की गई है। रेजिडेंट्स वेलफेयर सोसायटी के पदाधिकारियों ने बताया कि इस विषय में कई बार अधिकारियों को अवगत कराया, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है।

हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ की जिला कार्यकारणी की बैठक में लिया फैसला

22 से जिलेभर में खंड स्तर पर करेंगे प्रदर्शन

- 22 को फतेहाबाद व भूना, 23 को टोहाना व 24 को भट्टूकलां में दिए जाएंगे धरने

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

सरकारी स्कूलों को बचाने के लिए अध्यापकों और अभिभावकों द्वारा 22 जुलाई से जिले के सभी 6 खंडों में खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालयों पर प्रदर्शन किए जाएंगे। फतेहाबाद खंड व भूना में 22 जुलाई को, टोहाना में 23 जुलाई व भट्टूकलां में 24 जुलाई को धरने दिए जाएंगे। यह निर्णय हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ की जिला कार्यकारणी की बैठक में लिया गया। एएचपीसी वर्कर यूनियन कार्यालय फतेहाबाद में आयोजित बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान राजपाल मिताथल ने की व संचालन जिला सचिव देसराज माचरा ने किया। मुख्य वक्ता के तौर पर संघ के राज्य उपमहासचिव सचिव कृष्ण नैन उपस्थित हुए।

फतेहाबाद। अध्यापक संघ की बैठक में आंदोलन को लेकर चर्चा करते पदाधिकारी।

मुख्यमंत्री के नाग सौंपा जाएंगे ज्ञापन

सरकारी स्कूलों को बचाने के लिए अध्यापकों और अभिभावकों द्वारा जिले में सभी 6 खंडों में खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालयों पर प्रदर्शन करके मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपें जाएंगे ताकि जन शिक्षा के लिए सरकारी स्कूलों को बचाया जा सके। बैठक में सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान भूप सिंह भड़ोलावाली, रिटायर्ड कर्मचारी संघ से बेगराज के अलावा राधेश्याम, राजेंद्र, सतपाल ढाका, अजय बेनीवाल, दलबीर सिंह, नरेश कुमार, हरपाल हुड्डा , मुरारी लाल, विनोद सिला आदि उपस्थित रहे।

एक पेड़ की तरह है निवेश, अभी लगाएंगे तो भविष्य में देगा छाया

● निवेश की यात्रा शुरू कर रहे हैं तो जान लें कुछ जरूरी नियम ● सबसे पहले निवेश के लिए लक्ष्य लेकर चलें और रुकें नहीं ● हमेशा लंबी अवधि के लिए निवेश करें और उसे हर साल बढ़ाते जाएं

निवेश मंत्रा

विनोद कौशिक

निवेश एक पेड़ की तरह है। यदि आप इस समय निवेश रूपी पौधा रोपेंगे तो यह बुढ़ापे में आपको छाया देगा और भविष्य को सुरक्षित रखेगा। अगर आप भी अपनी निवेश यात्रा शुरू करने जा रहे हैं या कर चुके हैं तो कुछ नियमों को अपने जीवन में उतार लें। इससे आप आसानी से अपने सपने को पूरा कर सकेंगे। अपने गोल पूरे कर सकेंगे। सबने इन्वेस्टमेंट यानी निवेश शब्द तो बहुत बार सुना होगा। चाहे परिवार की बातचीत, समाचार अपडेट या रोजमर्रा के जीवन में भी, लेकिन क्या आप कभी यह सोचने से रोके हैं कि इसका क्या मतलब है? सबसे सरल अर्थ में, इन्वेस्टमेंट आज पैसे, समय या ऊर्जा देने के बारे में है, आशा है कि यह भविष्य में कुछ और बढ़ेगा। कल्पना करें कि यह एक पौधा रोपने की तरह है, आप कोशिश करते हैं, इसे सावधानी से पोषण करते हैं, यह जानकर कि किसी दिन यह आपको छाया, फल या शायद कुछ सुंदरता भी प्रदान करेगा। यही इन्वेस्टमेंट यानी निवेश का मंत्र है। हमेशा लंबी अवधि के लिए निवेश करें और उसे हर साल बढ़ाते जाएं।

निवेश का महत्व

- इन्वेस्टमेंट आपके पैसे को महंगाई से बचा सकता है।
- आपको आय अर्जित करने में मदद कर सकता है।
- आपको अपने लॉन्ग-टर्म लक्ष्यों के करीब ला सकता है।
- समय के साथ अपनी कैश वैल्यू खोने के बजाय, इन्वेस्टमेंट आपको रियल वेल्थ

बनाने में मदद कर सकता है

- कंपाउंडिंग होती है-जहां आपका रिटर्न गुणा होता है और समय के साथ अपना रिटर्न जनरेट करना शुरू करता है।
- इसलिए, चाहे रिटायरमेंट के लिए बचत हो या उस ड्रीम वेकेशन, इन्वेस्टमेंट आपके सभी वर्तमान और भविष्य के लक्ष्यों को आसानी से पूरा कर सकता है।

निवेश से पहले यह जान लें

जोखिम सहिष्णुता: आप अपने इन्वेस्टमेंट के कुछ या सभी को खोने के विचार से कितना आरामदायक हैं?

समय सीमा: क्या आप शॉर्ट टर्म या लॉन्ग टर्म के लिए इन्वेस्ट करना चाहते हैं?

फाइनेंशियल लक्ष्य: आप अपने इन्वेस्टमेंट के माध्यम से क्या प्राप्त करना चाहते हैं?

विविधता: विभिन्न क्षेत्रों में अपने इन्वेस्टमेंट को फैलाकर जोखिम को मैनेज करने में मदद मिल सकती है, जैसे कि आपके सभी अंडे एक ही टोकरी में न डालें।

इसलिए करें इन्वेस्टमेंट

महंगाई से सुरक्षा: इन्वेस्टमेंट अक्सर महंगाई की तुलना में तेज़ी से बढ़ते हैं, जिससे आपके पैसे की वैल्यू को सुरक्षित रखा जाता है।

पैसिव आय जनरेट करें: कुछ इन्वेस्टमेंट, जैसे डिविडेंड-भुगतान स्टॉक, नियमित कैश फ्लो प्रदान कर सकते हैं।

फाइनेंशियल लक्ष्य प्राप्त करें: इन्वेस्टमेंट आपको बड़े जीवन की घटनाओं, जैसे घर खरीदना या आराम से रिटायर होना आदि के लिए बचत करने में मदद करता है। इन्वेस्ट करना शुरू करना कभी भी बहुत जल्दी नहीं है, जितनी जल्दी आप शुरू करते हैं, कंपाउंडिंग का लाभ मिलेगा।

आखिर क्या है निवेश

निवेश एक प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति या संगठन अपने पैसे को विभिन्न प्रकार की संपत्तियों या वित्तीय साधनों में लगाते हैं, जिससे उन्हें भविष्य में आय या लाभ प्राप्त हो सके। निवेश का उद्देश्य आमतौर पर अपने पैसे को बढ़ाना, आय अर्जित करना, या भविष्य के लिए बचत करना होता है। निवेश एक एसेट और/या एक आइटम है जो या तो अप्रिशिएशन प्राप्त करने या इनकम जनरेट करने के लिए अर्जित किया जाता है। इन्वेस्टमेंट में वृद्धि एक निश्चित अवधि में एसेट/आईटम के मूल्य में वृद्धि है। इससे स्टॉक खरीदना, रियल एस्टेट में इन्वेस्ट करना, गोल्ड खरीदना, या साइड बिजनेस शुरू करना भी हो सकता है। प्रत्येक विकल्प में वृद्धि की क्षमता होती है, विशेष रूप से अगर अच्छी तरह से मैनेज किया जाता है और हां, इसमें कुछ जोखिम शामिल हैं- वहां कोई आश्चर्य नहीं है, लेकिन ये इन्वेस्टमेंट वेल्थ-बिल्डिंग के अवसर प्रदान कर सकते हैं।

निवेश के प्रकार

1. **वित्तीय निवेश** : इसमें शेयर, बॉन्ड, म्यूचुअल फंड, और अन्य वित्तीय साधन शामिल हैं।
2. **वास्तविक निवेश** : इसमें अचल संपत्ति, सोना, और अन्य भौतिक संपत्तियां शामिल हैं।
3. **व्यवसायिक निवेश** : इसमें व्यवसाय शुरू करने या व्यवसाय में हिस्सेदारी खरीदने के लिए निवेश करना शामिल है।

निवेश के लाभ

1. **आय अर्जित करना** : निवेश से आय अर्जित करने का अवसर मिलता है।
2. **पैसे का बढ़ना** : निवेश से पैसे का मूल्य बढ़ सकता है।
3. **भविष्य के लिए बचत** : निवेश से भविष्य के लिए बचत करने में मदद मिलती है।
4. **विविधीकरण** : निवेश से पोर्टफोलियो का विविधीकरण होता है, जिससे जोखिम कम होता है।
5. **कैपिटल प्रिज़र्वेशन** : जब आप इन्वेस्ट करते हैं, तो आप अपने पैसे को सुरक्षित रखते हैं और समय के साथ वैल्यू को खोने से रोकते हैं।
6. **टैक्स लाभ** : कुछ इन्वेस्टमेंट आपकी टैक्स योग्य आय को कम करने में मदद कर सकते हैं, जो हमेशा बोनस होता है!

निवेश के जोखिम

1. **बाजार का जोखिम** : बाजार की स्थितियों में बदलाव से निवेश का मूल्य प्रभावित हो सकता है।
2. **क्रेडिट जोखिम** : उधारकर्ता के डिफ़ॉल्ट करने से निवेश का मूल्य प्रभावित हो सकता है।
3. **लिक्विडिटी जोखिम** : निवेश को आसानी से बेचने में समस्या हो सकती है।
4. **जोखिम** : मुद्रास्फीति से निवेश का मूल्य प्रभावित हो सकता है।

ऐसे करें निवेश

1. **लक्ष्यों को परिभाषित करें** : सोचें कि आप अपने इन्वेस्टमेंट को प्राप्त करने के लिए क्या चाहते हैं।
2. **अपने जोखिम का आकलन करें** : सोचें कि आप नींद को खोए बिना कितना जोखिम ले सकते हैं।
3. **अपने इन्वेस्टमेंट चुनें**: आपके लिए सही महसूस करने वाले स्टॉक, बॉन्ड, रियल एस्टेट और फंड का मिश्रण चुनें।
4. **नियमित रूप से इन्वेस्ट करें**: हर महीने एक निश्चित राशि अलग रखने पर विचार करें. यह पहले खुद को भुगतान करने की तरह है।

ऐसे करता है काम

आप किसी कंपनी (एक एसेट) में शेयर खरीदने का निर्णय लेते हैं, जिसका आपको विश्वास है कि आपके पास एक आशाजनक भविष्य है। अगर कंपनी की वैल्यू बढ़ती है, तो आपके शेयरों की कीमत भी बढ़ती है या शायद आप किसी ऐसे क्षेत्र में भूमि (संपत्ति) का प्लॉट खरीदते हैं जिसे आप सोचते हैं कि समय के साथ महंगा हो जाएगा। दोनों मामलों में, आपका पैसा काम करने के लिए लगाया जाता है, और अगर चीज़ें अच्छी तरह से चलती हैं, तो यह आपको लगातार ध्यान दिए बिना लौटना लाता है।

ग्रीन एफडी : सुरक्षित निवेश के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी करें योगदान

अभी सभी बैंक ग्रीन डिपॉजिट की सुविधा नहीं दे रहे हैं। फिर भी, कई बड़े सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों ने इस दिशा में कदम उठाया है। मोहित गांग के मुताबिक, एसबीआई, बैंक ऑफ इंडिया, एक्सिस बैंक, केनरा बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा जैसे बैंक ग्रीन डिपॉजिट योजनाएं शुरू कर चुके हैं।

बचत

बिजनेस डेस्क

जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण जैसी चुनौतियों से जूझ रही दुनिया अब निवेश के तरीकों में भी धीरे-धीरे बदलाव कर रही है। इन्हीं नए नए तरीकों के बीच भारत में अब एक नया फाइनेंशियल प्रोडक्ट तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। इस लोकप्रिय प्रोडक्ट को नाम दिया है ग्रीन डिपॉजिट। यह एक ऐसा निवेश विकल्प है, जो न केवल सुरक्षित और अच्छा रिटर्न देता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जून 2023 में ग्रीन डिपॉजिट के लिए एक स्ट्रक्चर जारी किया था, जिसमें बैंकों को जमा पैसे को सिर्फ ग्रीन प्रोजेक्ट्स में लगाने की अनुमति दी गई है। इस प्रोजेक्ट्स में मुख्य रूप से सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक गाड़ियां, पानी और वेस्ट मैनेजमेंट आदि शामिल होते हैं। ग्रीन डिपॉजिट एक सामान्य फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की तरह ही है, लेकिन इसका असर कहीं अधिक बड़ा और पॉजिटिव है। इसमें बैंकों को सालाना रिपोर्टिंग और थर्ड पार्टी ऑडिट जैसी पारदर्शिता की शर्तें पूरी करनी होती हैं, जिससे निवेशकों का भरोसा मजबूत होता है। स्टेट बैंक, एक्सिस, यूनियन बैंक जैसे कई बड़े बैंक इस विकल्प की पेशकश कर रहे हैं। अगर आप एक ऐसा निवेश चाहते हैं जो आपको आर्थिक लाभ के साथ-साथ धरती को भी लाभ पहुंचाए, तो ग्रीन डिपॉजिट एक समझदारी भरा कदम हो सकता है।

यह कैसे करता है काम

ग्रीन डिपॉजिट में भी निवेशक अपने पैसे को बैंक में एक निश्चित समय के लिए एफडी की तरह जमा करते हैं, और बदले में उन्हें उसका ब्याज मिलता है, लेकिन इस योजना की खासियत यह है कि जमा किए गए पैसे का इस्तेमाल केवल उन परियोजनाओं में किया जाता है, जो पर्यावरण के लिए फायदेमंद हों। इन परियोजनाओं में सौर और पवन ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, जलवायु परिवर्तन से बचने के लिए हो रहे काम, पानी, वेस्ट मैनेजमेंट और ग्रीन बिल्डिंग आदि शामिल हो सकते हैं। बैंकिंग एक्सपर्ट कहते हैं, "जब कोई व्यक्ति या संस्था ग्रीन डिपॉजिट में निवेश करता है, तो बैंक उस पैसे को ऐसी परियोजनाओं के लिए लोन देने या निवेश करने में उपयोग करता है।

ऐसे समझें उदाहरण

उदाहरण के लिए, यह पैसा सौर ऊर्जा प्लांट बनाने, इलेक्ट्रिक गाड़ियां बनाने आदि को बनाने या फिर उसके लिए रिसर्च में इस्तेमाल किया जा सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह सुनिश्चित करने के लिए सख्त नियम बनाए हैं कि इन फंड्स का उपयोग केवल इन्हीं चीजों के लिए ही हो। बैंकों को हर साल इन फंड्स के उपयोग और उनके होने वाले पर्यावरणीय प्रभाव की जानकारी सार्वजनिक करनी होती है।

क्या कहते हैं जानकार

ग्रीन डिपॉजिट में निवेश की प्रक्रिया एफडी की तरह ही होती है। निवेशक को एक निश्चित पैसा (जो आमतौर पर 5,000 रुपये से शुरू होकर 10 करोड़ रुपये तक हो सकती है) जमा करना होता है। जमा करने का समय और ब्याज दर बैंक के नियमों पर निर्भर करती है। इस पैसे को डीआईसीजीसी के तहत बीमा किया जाता है, जिससे निवेशक का पैसा सुरक्षित रहता है।

नियमों और पारदर्शिता

दूसरा अंतर नियमों और पारदर्शिता में है। ग्रीन डिपॉजिट पर भारतीय रिजर्व बैंक की पूरी नजर रहती है और इसके लिए अलग से दिशानिर्देश हैं। इसकी वजह से बैंकों को फंड्स के उपयोग की पूरी जानकारी देने और हर साल ऑडिट करवाना पड़ता है। इसके विपरीत, एफडी में ऐसी कोई शर्त या पारदर्शिता की जरूरत नहीं होती। ब्याज दरों की बात करें तो ग्रीन डिपॉजिट की दरें सामान्य एफडी के बराबर या कभी-कभी थोड़ी अधिक हो सकती हैं, क्योंकि बैंक पर्यावरण के प्रति जागरूक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कभी-कभी अच्छी दरें ऑफर करते हैं। एक और जरूरी अंतर नैतिक प्रभाव का है। ग्रीन डिपॉजिट में निवेश करके व्यक्ति पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से निपटने में योगदान देता है, जो इसे एक नैतिक और जिम्मेदार निवेश विकल्प बनाता है। सामान्य एफडी में ऐसा कोई पर्यावरणीय या सामाजिक प्रभाव नहीं होता।

ग्रीन डिपॉजिट के क्या फायदे

ग्रीन डिपॉजिट का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह निवेशकों को पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का मौका देता है। अगर आप जलवायु परिवर्तन या प्रदूषण जैसी समस्याओं को लेकर चिंतित हैं, तो यह योजना आपके पैसे को सही दिशा में लगाने का एक तरीका है। इसके अलावा, इसकी ब्याज दरें सामान्य एफडी की तुलना में प्रतिस्पर्धी होती हैं, जिससे निवेशक को आर्थिक लाभ भी मिलता है। यह योजना उन लोगों के लिए भी खास है, जो अपने निवेश को पर्यावरण, सामाजिक और शासन मानकों के आधार पर करना चाहते हैं। ग्रीन डिपॉजिट के जरिए निवेशक अपने पोर्टफोलियो में विविधता ला सकते हैं और साथ ही पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी निभा सकते हैं। बैंकों द्वारा हर साल दी जाने वाली रिपोर्ट और तीसरे पक्ष के ऑडिट से निवेशकों को यह भरोसा रहता है कि उनका पैसा सही जगह पर इस्तेमाल हो रहा है। साथ ही, डीआईसीजीसी के तहत बीमा होने से यह निवेश पूरी तरह सुरक्षित भी है।"

एफडी से कितना अलग है ग्रीन डिपॉजिट

ग्रीन डिपॉजिट और एफडी में कई समानताएं हैं। हालांकि, कुछ बुनियादी अंतर दोनों को अलग बनाते हैं। सबसे बड़ा अंतर यह है कि ग्रीन डिपॉजिट में जमा किए गए पैसे का इस्तेमाल सिर्फ पर्यावरण को लाभ पहुंचाने वाले परियोजनाओं में किया जाता है, जबकि एफडी में जमा पैसे का इस्तेमाल बैंक अपने सामान्य कारोबार, लोन देने या दूसरे निवेश में उपयोग कर सकता है। इस तरह ग्रीन डिपॉजिट में निवेश करने वाला हर व्यक्ति यह दावा कर सकता है कि उसका पैसा पर्यावरण से जुड़ी परियोजनाओं के लिए हो रहा है।

जवानी में कर लें इतना निवेश की बुढ़ापे में न गिननी पड़े परेशानियां

- रूल ऑफ 70 से जानिए बुढ़ापे में कितना पैसा होगा काफी
- आज की अर्थव्यवस्था में पैसा सबसे बड़ी जरूरत बन चुका
- जवानी में गलत फैसले लिए गए, तो बुढ़ापा मुश्किल होगा
- युवावस्था से ही रिटायरमेंट को मजबूत फंड बनाना शुरू करें
- अच्छा फंड भविष्य में आर्थिक तंगी से बचाएगा, जीवन आरामदायक बनेगा

जानकारी

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी रिटायरमेंट प्लानिंग कर रहे हैं तो जरा ध्यान दें। आप जितना जल्दी निवेश शुरू करेंगे। उतना ही बुढ़ापे में सुरक्षित होंगे। इसलिए जरूरी है कि जवानी में इतना निवेश कर लें कि बुढ़ापे में परेशान न होना पड़े। इसके लिए आप रूल ऑफ 70 के फार्मूले को भी फॉलो कर सकते हैं। इससे पता चल जाएगा कि बुढ़ाप अच्छे से काटने के लिए आपको कितने धन की जरूरत होगी। आज की अर्थव्यवस्था में पैसा सबसे बड़ी जरूरत बन चुका है। अगर जवानी में गलत फैसले लिए गए, तो बुढ़ापा मुश्किल हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि युवावस्था से ही रिटायरमेंट के लिए मजबूत फंड बनाना शुरू करें, ताकि भविष्य में आर्थिक तंगी से बचा जा सके और जीवन आरामदायक बना रहे।

हमेशा महंगाई का ध्यान रखें

आप भी सोचते होंगे कि अगर आपके पास एक करोड़ रुपये हों, तो जिंदगी की सारी ज़रूरतें पूरी हो जाएंगी, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि यही रकम आने वाले वक्त में आपके लिए कितनी मायने रखेगी। आज जो रकम बड़ी लगती है, वो कल को शायद उतनी काम की न हो। महंगाई हर साल धीरे-धीरे बढ़ती रहती है और इसके साथ हमारी जरूरतों की कीमत भी। ऐसे में अगर आपने भविष्य की प्लानिंग सही से नहीं की, तो रिटायरमेंट के बाद दिक्कतें हो सकती हैं। कई बार हम यह मान लेते हैं कि जितना पैसा आज हमें काफी लग रहा है, वही आगे भी काफी रहेगा, लेकिन असलियत इससे बिल्कुल अलग है। इसलिए जरूरी है कि आप आज ही यह समझें कि आपकी रकम भविष्य में कितनी टिक पाएगी और उसी के हिसाब से अपनी बचत और निवेश की योजना बनाएं।

ऐसे जानें 'रूल ऑफ 70'

आपके पैसों की वैल्यू भविष्य में कितनी रह जाएगी, यह जानने के लिए 'रूल ऑफ 70' एक सरल तरीका है। इसमें आपको बस मौजूदा महंगाई दर जाननी होती है। जब आप 70 को उस महंगाई दर से भाग देंगे, तो जो संख्या निकलेगी, वह यह बताएगी कि कितने साल में आपके पैसों की आधी हो जाएगी। उदाहरण के लिए, अगर महंगाई दर 7% है, तो 70/7=10 साल। यानी 10 साल में आपके 1 करोड़ की वैल्यू 50 लाख जैसी हो जाएगी।

क्यों जरूरी है सही फाइनेंशियल प्लानिंग

लोग अक्सर सोचते हैं कि एक तय रकम जोड़ लेना ही काफी है, लेकिन वे महंगाई के असर को नजरअंदाज कर देते हैं। केवल सेविंग्स करना काफी नहीं है, आपको यह भी समझना होगा कि वो रकम भविष्य में क्या वैल्यू रखेगी। रूल ऑफ 70 जैसे सिंपल फॉर्मूलों से आप अपनी योजना को रियलिस्टिक बना सकते हैं। इससे आपको साफ नजर आएगा कि भविष्य में कितना पैसा वाकई जरूरी होगा।

स्मार्ट प्लानिंग

बुढ़ापे में आर्थिक तंगी से बचने के लिए युवावस्था से ही बचत और निवेश शुरू करें। हर महीने आय का कम से कम 20% रिटायरमेंट फंड में डालें। एसआईपी, पीपीएफ, और म्यूचुअल फंड जैसे विकल्प अपनाएं। महंगाई दर को ध्यान में रखते हुए फंड टारगेट तय करें। रूल ऑफ 70 से समझें पैसों की घटती वैल्यू और उसी अनुसार लॉन्ग टर्म प्लान तैयार करें।

सही लक्ष्य तय करें

बुढ़ापे में आर्थिक तंगी से बचने के लिए जरूरी है कि आप जल्द से जल्द निवेश शुरू करें। नियमित रूप से अपने फाइनेंशियल टारगेट्स की समीक्षा करें। बाजार की स्थितियों और महंगाई के हिसाब से अपनी रणनीति में बदलाव करते रहें। याद रखें, समय के साथ रुपये की वैल्यू घटती है, लेकिन सही प्लानिंग से आप अपनी भविष्य की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं।

विकल्पों का विश्लेषण

निवेश की प्लानिंग एक प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति या संगठन अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निवेश रणनीति तैयार करते हैं। इसमें निवेश के उद्देश्यों, जोखिम सहनशक्ति, समय सीमा, और निवेश विकल्पों का विश्लेषण करना शामिल है। निवेश के उद्देश्यों को निर्धारित करना, जैसे कि आय अर्जित करना, पैसे का बढ़ना, या भविष्य के लिए बचत करना। निवेश की प्लानिंग एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जो व्यक्ति या संगठन को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकती है।

ईपीएफओ के डिजिटल प्लेटफॉर्म में हो रहा बदलाव, आखिर क्या होगा असर

माना जा रहा है कि जब प्रतिस्पर्धा सीमित होती हैतो मूल्य निर्धारण पारदर्शी नहीं रह जाता। इससे परियोजना की लागत अनावश्यक रूप से बढ़ने की आशंका रहती है। ईपीएफओ के टेंडर में अगर अधिक से अधिक कंपनी हिस्सा लेगी तो इसका लाभ उन्हें ही होगा और प्रतिस्पर्धा की वजह से ईपीएफओ को कम लागत में एक बेहतर सेवा प्रदाता कंपनी की सेवा मिलेगी।

बिजनेस डेस्क

देश के 27 करोड़ से अधिक कामगारों की बचत की संरक्षक संस्था के रूप में कार्य कर रही कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने 14 जुलाई 2025 को अपने आईटी सिस्टम (ईपीएफओ प्लेटफार्म) पर व्यापक बदलाव की तैयारी शुरू कर दी है। स्वभाविक है कि इस बदलाव से लोगों पर व्यापक असर भी दिखाई देगा। कुछ राहत मिलेगी तो कुछ खतरे भी बढ़ सकत हैं। ईपीएफओ के इस बदलाव से जुड़ी हालिया प्रक्रिया विशेषकर एजेंसी के चयन हेतु जारी एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट(ईओआई) को लेकर विशेषज्ञों और उद्योग जगत ने पारदर्शिता, निष्पक्षता और संभावित पक्षपात को लेकर गहरी चिंता जताई है। एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट दस्तावेज़ में एक प्रमुख शर्त यह है कि बोलीदाता ने प्रस्तावित कोर बैंकिंग सोल्यूशन (सीबीएस) को किसी अनुसूचित कॉर्मसियल बैंक में लागू किया हो। पहली नजर में यह एक सामान्य, अनुभव आधारित मानदंड लगता है, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार यह शर्त ईपीएफओ की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं है।

खातों का रख-रखाव, अंशदान प्रबंधन, पेंशन का वितरण आदि है। इसके लिए एक मजबूत, स्केलेबल और यूज़र-फ्रेंडली डिजिटल प्लेटफॉर्म जरूरी है, लेकिन इसके लिए कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (सीबीएस) की अनिवार्यता अप्रासंगिक मानी जा रही है। इसका कारण ये है कि ईपीएफओ का काम कोर बैंकिंग से संबंधित नहीं है। ईओआई की भाषा से यह प्रतीत होता है कि बैंकिंग क्षेत्र को सेवा देने वाली कंपनी को प्राथमिकता दी जा रही है। प्री-बिड मीटिंग में शामिल कंपनियों ने यह भी ये सवाल उठाये किया कि दस्तावेज़ में वर्णित तकनीकी विशिष्टताएँ एक कंपनी विशेष की क्षमताओं से काफी मेल खाती हैं। कम्पनियों ने ईरपीएफओ पोर्टल पर क्वेरी जेनेरेट कर अपनी चिंता व्यक्त की लेकिन ईपीएफओ ने कंपनियों के सभी आपत्ति को दरकिनार कर दिया।

नवाचार की राह में बाधा

ईओआई की शर्तों से कई प्रतिष्ठित कंपनियां इस काम के लिए बिड की करने की प्रक्रिया से बाहर हो सकती हैं, खासकर जिन्होंने डिजिटल गवर्नेंस और सार्वजनिक सेवाओं के लिए बेहतरीन समाधान विकसित किए हैं लेकिन बैंकिंग सीबीएस पर काम नहीं किया है। ईओआई बैठक में भाग लेने वाली प्रमुख कंपनियां टीसीएस, इंफोसिस, विप्रो, सीआईपीएल, एडब्ल्यूएस, एचसीएल सॉफ्टवेयर और फिन्सिल थीं। जबकि केवल एक-दो कंपनियां ही सीबीएस का अनुभव रखती हैं।

इस पर क्या है विशेषज्ञों की राय

ईपीएफओ कोई बैंक नहीं

ईपीएफओ कोई बैंक नहीं है। इसकी कार्यप्रणाली सार्वजनिक सेवा मंच जैसी है। ऐसे में बैंकिंग सीबीएस की अनिवार्यता तकनीकी दृष्टि से गैरज़रूरी और रणनीतिक रूप से भ्रामक है। **-पवन दुग्गल, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर एवं सायबर सुरक्षा विशेषज्ञ**

उद्देश्य समाधान ढूंढना नहीं

यह आरएफपी किसी खास उत्पाद के लिए रिवर्स इंजीनिरिड लगती है। ये बहुत ही रिस्ट्रीक्टिव है एवं इसका उद्देश्य समाधान ढूंढना नहीं, बल्कि समाधान में किसी ख़ास बोलीदाता (बिडर) को लाभ पहुंचाना है। **-अनूज प्रकाश अवस्थी, टेक्नोलॉजी एडवोकेट, सुप्रीम कोर्ट।**

नवाचार-विरोधी भी

- डिजिटल एवं आईटी के काम के लिए टेंडर की प्रक्रिया में हिस्सा लेने वाली एक प्रमुख कंपनी एमनेक्स टेक्नॉलाजी का कहना है कि यह सिर्फ खराब खरीद प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह नवाचार-विरोधी भी है। यह सरकार के 'मेक इन इंडिया' और 'ओपन इनोवेशन' के मूल सिद्धांतों के भी खिलाफ है।
- वहीं वित्त मंत्रालय में वरिष्ठ सलाहकार के पद पर काम कर चुके एक अधिकारी ने बताया कि टेंडर प्रक्रिया में किसी विशेष शर्त को जोड़ना या किसी खास कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए शर्तों का निर्धारण जीएफआऱ एवं सीवीसी के नियमों का उल्लघन है। उनके मुताबिक, अगर प्रतियोगिता का दायरा सीमित होगा, तो बोली की कीमतें बाजार के अनुरूप नहीं होंगी।

ईपीएफओ के लिए आगे की राह

- ईओआई जमा करने की अंतिम तिथि जैसे-जैसे नज़दीक आ रही है, ईपीएफओ पर यह दबाव बढ़ रहा है कि वह इस प्रक्रिया की समीक्षा करे, और योग्यताओं को कार्य-आधारित और समाधान-उन्मुख तरीके से परिभाषित करे। साथ ही इस प्रक्रिया मेंतकनीकी रिप्रजेंटेशन को प्रमुखता दी जाए। मूल्यांकन की प्रक्रिया में विविध पारदर्शी मानदंड जोड़े जाएं साथ ही पूरी प्रक्रिया में निष्पक्ष दृष्टिकोण अपनाया जाए।

खबर संक्षेप

पुलिस ने भगौड़े आरोपी को किया गिरफ्तार

सिरसा। सिविल लाइन थाना पुलिस ने मादक पदार्थ अधिनियम केस में वांछित चल रहे भगोड़ा आरोपी खेतीराम पुत्र सरदुल सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपी सिविल लाइन थाना में वांछित था। जिसे अब गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस प्रशासन ने कहा कि ऐसे अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

तार चोरी करने वाले तीन आरोपियों को किया काबू

फतेहाबाद। खेत से बिजली की मोटर की तार चोरी करने वाले तीन आरोपियों को फतेहाबाद पुलिस ने काबू किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सूरज उर्फ बिल्लू उर्फ देशवाली पुत्र कैलाश निवासी कैमरी, जिला हिसार हाल निवासी भड़ोलांवाली जिला फतेहाबाद, कुलदीप उर्फ कुकी पुत्र जग्गा राम तथा बिंद्र पुत्र मुक्खी राम निवासी भड़ोलांवाली के रूप में हुई है। थाना सदर फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि 16 जुलाई को शिकायतकर्ता गुरजीत सिंह पुत्र बलदेव सिंह, निवासी मानकपुर ने शिकायत दर्ज करवाई थी।

अवैध पिस्तौल मामले में एक और आरोपी काबू

फतेहाबाद। अपराधमुक्त अभियान के तहत टोहाना पुलिस ने अवैध हथियार रखने के एक मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान भगत पुत्र रामफल, निवासी वार्ड नंबर 5, प्रेम नगर, कोबरा मोहल्ला, टोहाना के रूप में हुई है। उल्लेखनीय है कि इस मामले में पुलिस पहले ही सतनाम उर्फ इतवारी उर्फ चीकू पुत्र राम नगर निवासी टोहाना को गिरफ्तार कर चुकी है। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि पुलिस टीम गांव दमकोरा की ओर गश्त कर रही थी। इसी दौरान कार्रवाई की गई।

पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आवेदन 31 तक

सिरसा। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिसकी अंतिम तिथि 31 जुलाई है। यह देशभर के बच्चों की असाधारण उपलब्धियों पर राष्ट्रपति द्वारा हर साल प्रदान किया जाने वाला एक प्रतिष्ठित पुरस्कार है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2025 के तहत बहादुरी, सामाजिक सेवा, पर्यावरण, खेल, कला और संस्कृति, तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बच्चों, जिनकी आयु 18 वर्ष से कम हो, को ही प्रदान किए जाएंगे, जिसके तहत विभिन्न श्रेणियों में 25 बच्चों का चयन किया जाएगा।

पद्म पुरस्कारों के लिए आवेदन 31 तक

सिरसा। गृह मंत्रालय की ओर से गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कार-2026 के लिए ऑनलाइन नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई हैं। पद्म पुरस्कारों के नामांकन की अंतिम तारीख 31 जुलाई है। नामांकन/अनुशंसा राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर ऑनलाइन प्राप्त की जाएंगी। उपायुक्त शांतनु शर्मा ने बताया कि पद्म पुरस्कार देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से एक है। 1954 में स्थापित इन पुरस्कारों की घोषणा हर साल गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है।

सरपंच ने रखी मीटिंग हॉल की नींव

रतिया। उप मंडल के गांव लठेरा में आज करीबन 8 लाख 30 हजार रुपए की लागत से अनुसूचित जाति चौपाल में बनने वाले मीटिंग हाल का नींव पत्थर गांव के सरपंच जसविंदर सिंह ने रखा। इस मौके पर काफी ग्राम वासी भी मौजूद थे। गांव के सरपंच जसविंदर सिंह ने बताया कि गांव की अनुसूचित जाति चौपाल में ग्रामीणों को मीटिंग के लिए एक मीटिंग हॉल की आवश्यकता थी जिसके लिए ग्रामीणों ने मांग पत्र भी दिया था।

शिक्षा विभाग की टीमों ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

सिरसा : सीईटी की परीक्षा के लिए बनाए 64 केंद्र, जांची सुविधाएं

- उप जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष चंद्र को बनाया ओवरऑल इंचार्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶। सिरसा

सिरसा। सीईटी के लिए बनाए गए परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करती टीम।

आगामी 26 और 27 जुलाई को होने वाली सीईटी परीक्षा को लेकर जिला में 64 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा के सफल संचालन व पारदर्शी तरीके से सम्पन्न करवाने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। शिक्षा विभाग द्वारा भी जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए टीमों का गठन किया गया है। इन टीमों ने शनिवार को परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते हुए मूलभूत सुविधाओं सहित अन्य व्यवस्थाएं जांची। टीम ने परीक्षा केंद्रों पर प्रत्येक कमरे में दीवार घड़ी की उपलब्धता, निर्बाध बिजली आपूर्ति, केंद्र में स्वच्छ पीने के पानी व शौचालय की व्यवस्था, दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए व्हीलचेयर की उपलब्धता सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वहीं खिड़कियां व दरवाजे टूटे न हो, को भी सुनिश्चित किया।

सीईटी परीक्षा के लिए उप जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष चंद्र को ओवरऑल इंचार्ज लगाया गया है। जिला विज्ञान विशेषज्ञ डा. मुकेश कुमार को उनका सहायक लगाया गया है। 16659 परीक्षार्थियों की बैठने की क्षमता वाले इन 64 परीक्षा केंद्रों के लिए शिक्षा विभाग की तीन अन्य टीमों का भी गठन किया गया है। एक से लेकर 21 नंबर परीक्षा केंद्रों के लिए डिप्टी डीईओ सुनीता साईं के नेतृत्व में टीम बनाई गई है। इसी तरह 22 से 42 नंबर तक के परीक्षा केंद्रों के लिए दूसरी टीम डिप्टी डीईओ विनोद कुमार के नेतृत्व में बनाई गई है। परीक्षा केंद्र 43 से 64 तक के लिए तीसरी टीम सिरसा के बीईओ कृष्ण लाल के नेतृत्व में बनाई गई है।

उप जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष चंद्र ने बताया कि जिला स्तर पर कंट्रोल रुम भी स्थापित किया गया है, जिसका इंचार्ज आरटीई के नोडल अधिकारी अमित मनहर को लगाया गया है। उनकी टीम में तीन अन्य सदस्यों को भी शामिल किया गया है।

उन्होंने बताया कि ज्यादातर परीक्षा केंद्र शहर में बनाए गए हैं, लेकिन कुछ परीक्षा केंद्र शहर से बाहर भी हैं, वहां आने-जाने के लिए बसों की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर भी कंट्रोल रुम बनाया जाएगा। उपायुक्त शांतनु शर्मा ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा को पारदर्शी तरीके से सम्पन्न करवाने के लिए और परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं।

फतेहाबाद : सीईटी को लेकर परिवहन विभाग परीक्षार्थियों के लिए उपलब्ध करवाएगा 370 बसें

फतेहाबाद। फतेहाबाद जिले से सीईटी परीक्षा देने जींद, हिसार और सिरसा जाने वाले परीक्षार्थियों के लिए रोडवेज विभाग द्वारा पर्याप्त मात्रा में बसों का इंतजाम किया गया है। परीक्षा देने जाने और यहां परीक्षा देने आने वाले परीक्षार्थियों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए रोडवेज विभाग द्वारा 370 बसों का प्रबंध किया है। इनमें से 140 रोडवेज और 230 प्राइवेट स्कूलों की बसें रहेंगी। रोडवेज बसों को जींद, हिसार व सिरसा भेजा जाएगा। वहीं, प्राइवेट स्कूलों की बसों से अभ्यर्थियों को बस स्टैंड से उनके एग्जाम सेंटर तक छोड़ा जाएगा। दूसरे जिलों में बने एग्जाम सेंटरों पर जाने वाले अभ्यर्थियों के लिए रोडवेज बसों में सीट की ऑनलाइन बुकिंग का काम शुरू हो चुका है। सीईटी परीक्षा को लेकर उपायुक्त मनदीप कौर द्वारा भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं। रोडवेज द्वारा इतनी संख्या में बसों को सीईटी परीक्षा में लगाने के बाद विभिन्न रूटों पर रोडवेज सेवा पूरी तरह ठप्प रहेगी। बता दें कि, फतेहाबाद जिले में 18 हजार 914 अभ्यर्थी सीईटी का एग्जाम देने आएंगे। इनके लिए जिले में 71 एग्जाम सेंटर बनाए गए हैं। इन सेंटरों को फतेहाबाद शहर के अतिरिक्त रतिया, भूना और भट्टू कलां में भी बनाया गया है। फरीदाबाद जिला प्रशासन की ओर से सीईटी अभ्यार्थियों के लिए हेल्प सेंटर भी बनाए जाएंगे। बस स्टैंड पर रोडवेज के अधिकारियों की 26 व 27 जुलाई को विशेष ड्यूटी रहेगी। अधिकारी अभ्यर्थियों को उनके एग्जाम सेंटर की बसें उपलब्ध करवाने में मदद करेंगे। इसके अतिरिक्त अभ्यर्थियों की पर्याप्त संख्या होते ही रोडवेज बसों को भी रूट पर लगवाने का काम करेंगे। सीईटी का एग्जाम देने जाने वाले अभ्यर्थियों को टोहाना और फतेहाबाद दोनों जगह से बसें मिलेंगी। फतेहाबाद डिपो की 100 और टोहाना सब डिपो की 40 बसों को जींद, हिसार व सिरसा भेजा जाएगा। इसके लिए कंडक्टर-ड्राइवरों की ड्यूटी लगाने का काम जारी है। दो दिन परीक्षा के चलते आम जनता को भुगतना पड़ेगा खामियाजा रोडवेज द्वारा 26 व 27 जुलाई को भारी संख्या में सीईटी परीक्षार्थियों के लिए बसें लगाने के बाद आम पब्लिक को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। फतेहाबाद से लिंक मार्गों जैसे भट्टू, भूना, जाखल, रतिया व टोहाना के लिए प्रतिदिन हजारों लोग अपने काम-धंधे के लिए जाते हैं। सरकारी कर्मचारी भी इसमें शामिल हैं। इसके अलावा लंबे मार्ग पर दिल्ली, जयपुर, चण्डीगढ़ जाने वाले यात्रियों को भी दो दिन परेशानी होगी। बता दें कि इसके बाद 30 व 31 जुलाई को एचटेट की परीक्षा भी होनी है। इसी बीच रक्षाबंधन का त्यौहार भी आ रहा है। ऐसे में हर रोज बसों की कमी के चलते आम जनता परेशान रहेगी।

फर्जी पुलिस भर्ती के नाम पर 9 लाख की ठगी करने का आरोपी राजस्थान का युवक गिरफ्तार

- फतेहाबाद पुलिस ने दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया, मोबाइल फोन बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶। फतेहाबाद

अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत इकोनॉमिक सेल फतेहाबाद की टीम ने सफलता हासिल करते हुए फर्जी पुलिस भर्ती के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान संजय कुमार पुत्र आज़ाद सिंह, निवासी रामसरा ताल, तहसील राजगढ़, जिला चुरु, राजस्थान, हाल निवासी आज़ाद नगर, हिसार के रूप में हुई है। इकोनॉमिक सेल प्रभारी निरीक्षक संदीप कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई गांव बनमंदौरी निवासी राकेश की शिकायत के आधार पर की गई। शिकायतकर्ता के अनुसार, वर्ष 2021 में उसने पुलिस भर्ती के लिए आवेदन किया था। उसी दौरान संजय नामक व्यक्ति ने उससे संपर्क कर पुलिस में नौकरी लगवाने का झांसा दिया। आरोपी ने धीरे-धीरे पीड़ित का विश्वास जीतते हुए उसके मूल दस्तावेज जैसे - 10वीं व 12वीं की मार्कशीट, आधार कार्ड और अन्य प्रमाण पत्र अपने पास रख लिए और फिर करीब 9 लाख की राशि नौकरी लगवाने के नाम पर हड़प ली। आरोपी बार-बार नियुक्ति की बात कहकर बहाने बनाता रहा, लेकिन न तो नौकरी दिलाई गई और न ही पैसे लौटाए गए। जब शिकायतकर्ता ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई, तो आरोपी ने व्हाट्सएप कॉल व मैसेज के जरिए पैसे लौटाने का आश्वासन दिया, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। पुलिस टीम ने सुनियोजित तरीके से कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है, जिससे ठगी से संबंधित डिजिटल साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। आरोपी को दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या आरोपी ने इसी प्रकार अन्य व्यक्तियों को भी ठगी का शिकार बनाया है। मामला अब भी जांचाधीन है।

सिरसा। नारेबाजी कर रोष व्यक्त करते मोहल्लावासी। फोटो : हरिभूमि

सीवरेज समस्या को लेकर जताया रोष

सिरसा। शहर के बेगू रोड स्थित पटेल बस्ती में आर्य स्कूल के सामने व स्कूल के पीछे रह रहे लोग करीब डेढ़ महीने से सीवरेज बंद होने से नारकीय जीवन जी रहे हैं। बार-बार शिकायत के बाद भी सुनवाई न होने पर बस्ती की महिलाओं ने मोर्चा संभालते हुए शनिवार को प्रदर्शन किया और समस्या के समाधान की मांग की। स्थानीय निवासी सोनम जोशी, रुखसाना, राजबाला, गुड्डी, रानी सोनी, राजबाला, सुमन सोनी, कमला चौहान, रेणु, नीरू, सुरेंद्र शर्मा, अभय, ओमप्रकाश, अशोक ठेकेदार, विजयदास, प्रभु, रामचंद्र, संतोष पांडेय, कुंदन सैनी, सुरेश, नेमचंद शर्मा, विकास, दीपू आदि ने संयुक्त रूप से बताया कि इस संबंध में शिकायत जेई गुरप्रीत, एसडीओ अजय ढाका, एक्सीएन प्रदीप व एसई रविंद्र को करने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने बताया कि सीवरेज बंद होने के चलते घरों में पीने के पानी में सीवर का पानी मिक्स होकर आ रहा है, जिसके पीने से बच्चे बीमार पड़ रहे हैं। अगर हालात यही रहे तो महामारी भी फैल सकती है। यही नहीं बरसात होती है तो सीवर का पानी लोगों के घरों में घुस जाता है, जिसके कारण लोगों का जीना दूभर हो जाता है। यहां के वाशिंदों ने प्रशासन व संबंधित विभाग के अधिकारियों को चेताते हुए कहा कि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो उन्हें मजबूरन संघर्ष का रास्ता अपनाना पड़ेगा।

कांवड़ियों की सेवा में 25वें विशाल भंडारे का आयोजन

- 25 वर्ष पहले से भंडारे की शुरूआत पानी के प्याउ के तौर पर की

हरिभूमि न्यूज ▶▶। सिरसा

शिव युवा सेवा समिति कोटली द्वारा कांवड़ियों के लिए 25वें अटूट विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है जो कि 23 जुलाई तक चलेगा। राष्ट्रीय ओड सभा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मक्खन सिंह ने बताया कि आज से 25 वर्ष पहले इस भंडारे की शुरूआत पानी के प्याउ के तौर पर की गई थी, लेकिन आज जनसहयोग व सेवादारों के योगदान से इसकी सेवाओं में और विस्तार किया गया है। अब यह विशाल भंडारे का रूप ले चुका है। उन्होंने बताया कि यहां ठहरने व व्रत रखने वाले कांवड़ियों के लिए विशेष व्यवस्था की जाती है। इसके अलावा बीमार कांवड़ियों को चिकित्सा सुविधा भी दी जा रही है। समिति के सभी सेवादारों द्वारा कावड़ियों के लिए रात्रि ठहराव, भोजन, प्रसाद, पानी, फल के सभी इंतजाम में दिनरात सहयोग किया जा रहा है। इस अवसर पर शिव युवा सेवा समिति के वरिष्ठ सेवादार वीरेंद्र सिंह, पंडित विनोद कुमार कोटली, सुशांत मित्तल, भाना राम कोटली, प्रदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

अहिंसक संचार नीतियों से विद्यालय में बनता है सकारात्मक माहौल: प्रो. यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶। सिरसा

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डिंग में नव पदोन्नत प्रधानाचार्यों के लिए चल रहे परिचयात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को समापन हो गया। समापन समारोह में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के प्रोफेसर उमेद सिंह ने शिरकत की। व राजकीय नेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. सत्यपॉल बिश्नोई ने बतौर विशिष्ट अतिथि प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिरकत की। डाइट प्रवक्ता डॉ. विनोद भट्टू ने बताया कि परिचयात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रातःकालीन सत्र में प्रोफेसर उमेद सिंह यादव ने हरियाणा में विद्यालय मुखियाओं के लिए अहिंसक संचार नीतियां विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि अहिंसक संचार नीतियां विद्यालय में एक सकारात्मक माहौल पैदा करते हुए विद्यालय मुखियाओं को अपने छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करने में मदद करती हैं। राजकीय नेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर डा. सत्यपॉल बिश्नोई ने स्कूल मुखियाओं के लिए व्यवहारिक कौशल विषय पर कहा कि एक विद्यालय मुखिया अपने व्यवहारिक कौशल के दम पर अपने विद्यालय में एक सकारात्मक एवं उत्पादकतापूर्ण वातावरण पैदा करते हुए उच्च आयामों को छू सकता है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर डाइट प्रवक्ता डॉ. राकेश मोहन, डॉ. मनोज पुरी, डॉ. नरेश नरूला, सूरज दुग्गल, सुखपाल, सुनील, सुमित, सज्जन फौजी, हरेंद्र, प्राचार्य नीरज पाहुजा, शीला रानी सहित सिरसा जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए हुए नवपदोन्नत प्राचार्य मौजूद रहे।

क्रेसंट स्कूल रतिया में मनाया गया इंटरनेशनल शतरंज दिवस

रतिया। शतरंज प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

रतिया। क्रेसंट पब्लिक स्कूल में इंटरनेशनल शतरंज दिवस अत्यंत उत्साह और उत्सवपूर्ण वातावरण में मनाया गया। स्कूल के विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर अपनी बुद्धिमत्ता, एकाग्रता एवं रणनीतिक सोच का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता को लेकर विद्यार्थियों में काफी उत्साह नजर आया। प्रधानाचार्य आदेश शर्मा ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि शतरंज केवल एक खेल नहीं, बल्कि यह सोचने, समझने और सही समय पर निर्णय लेने की कला है, जो बच्चों के मानसिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने बताया कि है यह आयोजन सभी विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक साबित होगा। उन्होंने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अभियान गांव के पंचायत सदस्यों के साथ बैठक कर नशे की वर्तमान स्थिति पर की चर्चा

नशा मुक्ति टीम ने गांव नन्हेड़ी में चलाया जागरूकता अभियान, 12 नशा पीड़ितों का करवाया इलाज

- गांव लहरियां के 4 एवं डूलट के 3 पूर्व पीड़ितों को काउंसलिंग उपरांत आयुर्वेदिक व होम्योपैथिक उपचार उपलब्ध कराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶। फतेहाबाद

फतेहाबाद। गांव नन्हेड़ी में विद्यार्थियों को जागरूक करते नशामुक्ति टीम से सुंदर मुसाफिर। फोटो : हरिभूमि

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के दिशा-निर्देशन में जिलेभर में नशा मुक्ति अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में ईएएसआई सुन्दर मुसाफिर के नेतृत्व में टोहाना क्षेत्र की नशा मुक्ति टीम ने आज गांव नन्हेड़ी में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया। टीम ने सर्वप्रथम गांव के पंचायत सदस्यों के साथ बैठक कर गांव में नशे की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की तथा ड्रग एडिक्शन से संबंधित जानकारी प्राप्त की। पंचायत प्रतिनिधियों ने बताया कि वर्तमान में गांव में कोई सक्रिय नशा पीड़ित नहीं है, किंतु सतर्कता बनाए रखना आवश्यक है। इसके पश्चात, टीम ने गली-मोहल्लों एवं सार्वजनिक स्थलों पर आम नागरिकों से मुलाकात कर उन्हें नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नन्हेड़ी में विद्यार्थियों के लिए एक सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें उन्हें नशा मुक्त जीवन की आवश्यकता और इसके सामाजिक प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। टीम द्वारा पूर्व में चिन्हित नशा पीड़ितों के उपचार व पुनर्वास हेतु भी कार्य किया गया। इसके बाद गांव लहरियां के 4 एवं डूलट के 3 पूर्व पीड़ितों को काउंसलिंग उपरांत आयुर्वेदिक व होम्योपैथिक उपचार उपलब्ध कराया गया। इसके अतिरिक्त, अन्य 12 पूर्व पीड़ितों का इलाज नागरिक अस्पताल में करवाया गया। यह अभियान ग्रामीण क्षेत्रों को नशे के खतरे से बचाने, पूर्व पीड़ितों को सामान्य जीवन में पुनः स्थापित करने से एक नशा मुक्त वातावरण तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल है।

न्यूज डायरी

सात वोट से जीतकर सीमा बिश्नोई निदेशक निर्वाचित

सिरसा। वीटा मिल्क प्लांट सिरसा के जोन नंबर 1 के निदेशक पद के लिए शनिवार को मतदान संपन्न हुआ। मतदान में 26 मतदाताओं ने निदेशक चुनने के लिए अपने मत का प्रयोग किया। गांव गुसाईयाना की सीमा बिश्नोई ने 26 में से 14 मत हासिल कर चुनाव जीता। जबकि उनके दो प्रतिद्वंद्वियों विक्रम को 7 और राजवीर को 5 वोट मिले। नाथुसरी चोपटा पहुंचने पर सीमा बिश्नोई का साहब राम सोनी, जेपी नाई, दुनी राम, जगदीश सोनी समेत कई गणमान्य लोगों ने जोरदार स्वागत किया। गौरतलब है कि सीमा बिश्नोई पत्नी भाल सिंह गांव गुसाईयाना के पूर्व सरपंच विनोद बिश्नोई की भाभी है।

विभाजन विभीषिका कार्यक्रम को लेकर की नियुक्तियां

फतेहाबाद। बीजेपी जिला अध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा ने 14 अगस्त को आयोजित होने वाले विभाजन विभीषिका कार्यक्रम को लेकर महत्वपूर्ण नियुक्तियां की है। इसके तहत नगर परिषद के पूर्व प्रधान एवं वरिष्ठ भाजपा नेता दर्शन नागपाल को जिला संयोजक नियुक्त किया गया है, वहीं राधाकृष्ण नारंग को फतेहाबाद विधानसभा संयोजक, रविन्द्र मैहता को टोहाना विधानसभा संयोजक व नरेश तनेजा टीटू को रतिया विधानसभा का संयोजक नियुक्त किया गया। प्रवीण जोड़ा ने जिला संयोजक एवं विधानसभा संयोजकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भाजपा हाई कमान के निर्देशों की पालना करते हुए 14 अगस्त को आयोजित होने वाले विभाजन विभीषिक कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

हरपाल सिंह बने गुरुद्वारा सिंह सभा भूना के प्रधान

भूना। गुरुद्वारा सिंह सभा भूना की प्रबंधन कमेटी की चुनाव बैठक शनिवार को गुरुद्वारा परिसर में हुई। इसमें अगले तीन वर्षों के लिए नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। बैठक की अध्यक्षता निवर्तमान पदाधिकारी हरजीत सिंह मल्ही ने की। निवर्तमान सचिव ने अपने कार्यकाल का लेखा-जोखा संगत के सामने रखा। गुरुद्वारा साहिब के दिवान हाल में संगत ने शांतिपूर्ण और पारदर्शी माहौल में नई कमेटी का गठन किया। हरपाल सिंह को प्रधान चुना गया। सभी ने उनके नेतृत्व पर भरोसा जताया। सचिव पद के लिए सुरेन्द्र सिंह फौजी के नाम पर सहमति बनी। वित्त और रखरखाव की जिम्मेदारी अवतार सिंह मल्ही, कामरेड भूपेन्द्र सिंह और लखविन्द्र सिंह को दी गई। प्रबंधन कमेटी में दरबारा सिंह, बलजीत सिंह हुंदल, गुरबचन सिंह और जितेंद्र सिंह को एग्जीक्यूटिव सदस्य मनोनीत किया गया। सभा में प्रस्ताव पारित कर नई टीम को आधिकारिक रूप से कार्यभार सौंपा गया।

आईसीजेएस तकनीक से पुलिस को मिली सफलता

फतेहाबाद। फतेहाबाद पुलिस अपराध पर अंकुश लगाने के लिए तकनीक आधारित जांच प्रणाली को अपनाकर लगातार प्रभावी कार्य कर रही है। इसी क्रम में वाहन चोरी के मामलों में इंटरऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम तकनीक के उपयोग से उल्लेखनीय सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने बताया कि इंटरऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम एक उन्नत सॉफ्टवेयर प्रणाली है, जिसकी मदद से देशभर के आपराधिक रिकॉर्ड से संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की जानकारी तुरंत मिलान की जाती है। इससे यह पता लगाना आसान होता है कि कोई व्यक्ति या वाहन किसी अन्य जिले या राज्य में अपराध में संलिप्त रहा है या नहीं। इसी तकनीक के अंतर्गत सीआईए रतिया, एंटी बर्गलरी स्टाफ फतेहाबाद द्वारा थाना शहर फतेहाबाद में खड़ी संदिग्ध मोटरसाइकिलों की आईसीजेएस पोर्टल के माध्यम से जांच की गई।

नवकल्याण संस्था ने किया पौधरोपण

फतेहाबाद। नवकल्याण संस्था के हर शुभ वार पौधे से प्यार अभियान को आगे बढ़ाते हुए सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल में एक भावपूर्ण पौधारोपण एवं पौधा वितरण कार्यस्र5म आयोजित किया गया। यह आयोजन स्वर्गीय फूल सिंह इंसा की पांचवी पुण्यतिथि व सुदर्शन नरुला की नानी कौशल्या देवी ग्रोवर की स्मृति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर स्व. फूल सिंह के परिवारजनों ने मिलकर 30 पौधे रोपित किए और इन पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प लिया। इस अवसर पर खान मोहम्मद गांव के सरपंच हेमराज शाक्य, अनीता क्रांति, भारती अरोड़ा, विकास पवार, नवकल्याण संस्था के उपप्रधान आरसी राठौर, कोषाध्यक्ष राजकमल, संरक्षक एवं प्रचार मंत्री सुदर्शन नरूला, रिंकू राजपूत आदि मौजूद रहे।

घटते लिंगानुपात को लेकर निकाली रैली

फतेहाबाद। महिला एवं बाल विकास से जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरजीता कुमारी के मार्गदर्शन में गांव भिरड़ाना में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का नेतृत्व विभाग की सुपरवाइजर अंजू व खुशी द्वारा किया किया गया। बेटी है अनमोल उपहार, शिक्षा तो है उसका अधिकार; जब जब खड़ी उठी है नारी, हर किसी पर पढ़ी है भारी जैसे प्रभावशाली नारे लगाकर ग्रामीण लोगों को जागरूक किया गया। सुपरवाइजर अंजू ने बताया कि इस रैली के आयोजन का उद्देश्य भिरड़ाना गांव के घटते लिंगानुपात को बढ़ाना है जो कि खेदजनक विषय है। विभाग द्वारा इसे गंभीरता से लेते हुए ग्रामीण समुदाय को बेटियों के संरक्षण व उनके अधिकारों का महत्व बताते हुए एक रैली का आयोजन किया गया। सुपरवाइजर खुशी ने बताया कि लिंग जांच व कन्या भ्रूण हत्या करवाना एक कानूनी अपराध है।

कांवड़ियों का तेज आवाज में डीजे बजाने पर प्रतिबंध

फतेहाबाद। जिलाधीश मनदीप कौर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तुरंत प्रभाव से जिला में कावड़ मेला 11 जुलाई से 23 जुलाई के दौरान शिव भक्तों, कांवड़ियों द्वारा लाउड स्पीकर/डीजे बजाने या उच्च ध्वनि के प्रसारण यंत्र बजाने पर प्रतिबंध लगाया है। इन आदेशों की अवहेलना में यदि कोई व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो वह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 धारा 163 के अनुसार दंड का भागी होगा। जारी आदेशों में बताया गया है कि पुलिस अधीक्षक फतेहाबाद ने सूचित करवाया है कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कांवड़िया मेला इस वर्ष 11 जुलाई को आरंभ होकर 23 जुलाई तक चलेगा।इस दौरान कांवड़ियें जीप, पैदल व अन्य वाहनों का प्रयोग करते है और वाहनों पर ऊंची आवाज में डीजे लगाकर भी चलाते हैं व अपने साथ हॉकी, बैट, असला इत्यादि भी रखते हैं, जिसके दृष्टिगत कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए धारा 163 बीएनएसएस के आदेश जारी करना जरूरी हो जाता है।

मंत्री बबली ने नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों को दी बधाई

टोहाना। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ बीजेपी नेता देवेंद्र सिंह बबली ने अपने निवास स्थान पर पार्टी के नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों और निर्वाचित पार्षदों से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। बबली ने अशोक जाखड़ व विकास ललोदा को जिला महामंत्री, साकेत गर्ग को जिला सचिव के अलावा टोहाना नगर परिषद से निर्वाचित मनोनित पार्षद सुभाष गर्ग एवं जाखल नगरपालिका से निर्वाचित पार्षद तरसेम सिंगला व लोकेश को भी बधाई दी है। देवेन्द्र बबली ने कहा कि सभी अपने दायित्वों का ईमानदारी और निष्ठा से निर्वहन करें, पार्टी को मजबूत बनाएं और जनसेवा के संकल्प को आगे बढ़ाएं।

खबर संक्षेप

रतिया पुलिस ने अवैध शराब सहित एक युवक को दबोचा

रतिया। रतिया पुलिस ने गांव महमड़ा के पास कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 10 बोतल अवैध शराब बरामद की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान करनैल सिंह पुत्र अमर सिंह निवासी कलोठा, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है। थाना सदर रतिया के प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि पुलिस टीम लाइट व्हीकल चेकिंग एवं नाकाबंदी के तहत पुलिस चौकी महमड़ा के सामने मौजूद थी। इसी दौरान एक व्यक्ति हाथ में केनी लिए महमड़ा की ओर से आता दिखाई दिया, जो पुलिस को देखकर दिशा बदलकर तेजी से वापस जाने लगा। संदेह के आधार पर पुलिस ने उसे रोका और तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 10 बोतल अवैध देशी शराब बरामद की गई।

मोटरसाइकिल चोरी के आरोपी का काबू जेल भेजा

फतेहाबाद। अपराध नियंत्रण अभियान के तहत टोहाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मनीराम पुत्र चरणा सिंह उर्फ जत्तू राम, निवासी टिब्बी हरिसिंह, तहसील सरदुलगढ़, जिला मानसा, पंजाब के रूप में हुई है। थाना शहर टोहाना के प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद सिंह ने बताया कि 9 जुलाई को शिकायतकर्ता हैप्पी पुत्र गोपाल निवासी पटेल नगर, टोहाना ने शिकायत दी थी कि 8 जुलाई को वह अपनी मोटरसाइकिल लेकर चंडीगढ़ रोड फ्लाईओवर के नीचे मोबाइल की दुकान पर गया था। थोड़ी देर बाद जब वह दुकान से बाहर आया, तो उसकी बाइक किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई थी।

कबड्डी लीग की तैयारियों को लेकर हुई बैठक

भूना। बाबा मुनि महाराज कबड्डी लीग को लेकर बैठक हुई। इसमें लीग के सीईओ गंगाधर सिहाग, चेयरमैन मोनिका चौधरी, डायरेक्टर अनीता चौधरी, वॉइस डायरेक्टर पूनम चौधरी और मैनेजर संदीप राणा शामिल हुए। बैठक में लीग को बड़ा प्लेटफॉर्म देने पर चर्चा हुई। गंगाधर सिहाग ने बताया कि लीग की पूरी तैयारी हो चुकी है। खिलाडिय़ों के रहने और खाने की पूरी व्यवस्था रहेगी। लीग में 45 किलो और 55 किलो वर्ग में लडक़े और लड़कियां खेलेंगे। ओपन कैटेगरी में भी दोनों वर्गों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। हर कैटेगरी में 12 टीमें होंगी। हर टीम में 12 खिलाड़ी होंगे।

प्रो. मोनिका को सौंपा अतिरिक्त कार्यभार

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने विश्वविद्यालय की पुस्तकालयाध्यक्ष का अतिरिक्त कार्यभार प्रो. मोनिका वर्मा को सौंपा है। वर्तमान में प्रो. मोनिका खेल परिषद की अध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा विभाग की अध्यक्ष, एवं इतिहास विभाग की अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने अपने शिक्षण और शोध जीवन में उल्लेखनीय योगदान दिया है। अब तक वे 18 पीएच.डी. तथा 17 एम.फिल. शोधार्थियों का निर्देशन कर चुकी हैं। 14 पुस्तकें एवं 41 शोधपत्रों का प्रकाशन है। स्ट्रेंथ एंड फ्लेक्सि बिलिटी बॉडी वेट ट्रेनिंग गाइड के नाम से पेटेंट भी है। प्रो. मोनिका कई पदों पर रह चुकी हैं।

जिला पुस्तकालय को लेकर आरटीआई में बड़ा खुलासा

बिना लिखित आदेश के बाल भवन में शिफ्ट किया गया पुस्तकालय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शहर में जिला पुस्तकालय को खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय से पहले नए बस स्टैण्ड और उसके बाद बाल भवन में शिफ्ट किए जाने का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि फतेहाबाद जिला पुस्तकालय को बाल भवन में स्थानांतरित करने का कोई भी लिखित आदेश उपलब्ध नहीं है। यह स्थानांतरण केवल मौखिक आदेश के आधार पर किया गया था। यही नहीं, बीडीपीओ कार्यालय से बस स्टैण्ड जिला पुस्तकालय शिफ्ट करने को लेकर तमाम औपचारिकताएं एक ही दिन में पूरी की गई थी। मिली जानकारी

के मुताबिक, जिला पुस्तकालय को पहले बस स्टैंड परिसर में स्थानांतरित किया गया था, जिसके आदेश पर सभी संबंधित अधिकारियों डीडीओ, जिला उपायुक्त और शिक्षा विभाग के अधिकारियों के हस्ताक्षर एक ही दिन में कराए गए। सवाल यह उठता है कि ऐसी क्या आपात स्थिति आ गई थी कि प्रशासन को एक ही दिन में हस्ताक्षर कराकर आदेश पारित करना पड़ा। इस प्रक्रिया में नियमों और प्रक्रियाओं की अनदेखी को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। खास बात यह है कि बाल भवन में शिफ्टिंग से पहले न तो भवन की फिजिकल स्थिति की कोई विस्तृत जांच रिपोर्ट पेश की गई, न ही कोई सुविधा मूल्यांकन किया गया। सूत्रों का मानना है कि जिला पुस्तकालय जैसी बुनियादी सुविधा के स्थानांतरण में पारदर्शिता और जनहित को प्राथमिकता मिलनी चाहिए थी, लेकिन इस पूरे मामले में न तो जनता को जानकारी दी गई और न ही कोई सार्वजनिक घोषणा की गई।

दस्तावेजों ने प्रशासनिक प्रक्रिया की पोल खोल दी

इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ जब सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम ने जिला उपायुक्त कार्यालय से आरटीआई के तहत पुस्तकालय को बस स्टैंड और फिर बाल भवन में स्थानांतरित किए जाने से संबंधित सभी पत्राचार की जानकारी मांगी थी। जवाब में प्राप्त दस्तावेजों ने प्रशासनिक प्रक्रिया की पोल खोल दी। अब सवाल यह है कि क्या जिला प्रशासन इस मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाकर जवाबदेही तय करेगा या फिर यह मामला भी अन्य फाइलों की धूल में दब जाएगा।

अवैध कब्जा हटा देने का दिया शपथ पत्र, कब्जा बरकरार

14 अगस्त को होगी सुनवाई, प्रशासन को कटघरे में खड़ा करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सरकारी जमीन पर किए गए अवैध निर्माण हटाने के न्यायालय के आदेशों की पालना के मामले में जिला प्रशासन सांसत में आ गया है। सरकार की ओर से अवैध कब्जे हटा देने का शपथ पत्र दिया गया है, जबकि सिरसा में ग्रीन बेल्ट पर अवैध कब्जे बरकरार है। ग्रीन बेल्ट पर अवैध कब्जे हटाने को लेकर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दाखिल करने वाले अग्रसेन कालोनी निवासी सेवानिवृत्त प्रो. करतार सिंह अब जिला प्रशासन को कटघरे में खड़ा करेंगे। मामले की सुनवाई हाई कोर्ट में 11 अगस्त 2025 को होगी। व्हीस्ल ब्लोअर प्रो. करतार सिंह ने सिरसा में ग्रीन बेल्ट, पार्क व सडक़ किनारे किए गए अवैध कब्जों व अतिक्रमण को लेकर संबंधित विभागों को बार-बार पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की। लेकिन प्रशासन ने कोई सुनवाई नहीं की। प्रशासन के ढुलमुल रवैये की वजह से अनेक लोगों ने विभिन्न संस्थाओं के नाम पर हुडा की ग्रीन बेल्ट पर अवैध कब्जे जमा लिए। जनता भवन रोड, डबवाली रोड, इंडस्ट्रियल एरिया सहित विभिन्न जगहों पर अवैध कब्जे बरकरार है।

कब्जा हटाने की बजाए नगर परिषद ने दी शह

एक तरफ सरकार अवैध कब्जों को हटाने का दावा करती है, जबकि सिरसा में नगर परिषद द्वारा अवैध कब्जाधारियों की हर प्रकार से मदद की गई। अवैध कब्जा करने वालों को तोरणद्वार, टाइल इत्यादि के लिए ग्रांट जारी की गई। बकायदा टेंडर लगाकर काम किए गए। नगर परिषद सिरसा ने 18 अक्टूबर 2024 को डबवाली रोड पर टीवीएस शोरूम के बगल में अवैध कब्जा स्थल पर निर्माण के लिए 19 लाख 38 हजार 928 रुपये के टेंडर लगाए गए। इसी प्रकार डबवाली रोड पर इंडियन पैट्रोल पंप के साथ किए ग्रीन बेल्ट पर हुए अवैध कब्जा स्थल पर डेकोरेटिव पोल तथा जिम उपकरण लगाने के नाम पर 31 लाख 39 हजार 972 रुपये का टेंडर लगाया गया।

बेटियों को हो आत्मनिर्भर बनाना मुख्य उद्देश्यः सुपरवाइजर कुसुम

सिरसा। जिला के गांव माधोसिंघाना के आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ-बेटी अपनाओ जागरूक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कन्या भ्रूण हत्या रोकने व लिंगानुपात में सुधार करने की अपील ग्रामवासियों से की गई। स्कूल प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में रंगोली बनाकर व मेहंदी लगाकर विभिन्न सरकारी योजना के बेटी जन्म पर मिलने वाले लाभों के बारे में बताया गया। कार्यक्रम का आयोजन सुपरवाइजर कुसुम शर्मा महिला व बाल विकास सिरसा के नेतृत्व में किया गया। उन्होंने बताया कि समाज व जनसाधारण की भागीदारी में हम बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं। यदि बेटियों को भी उचित शिक्षा देकर माता-पिता आता निर्भर बना दे तो वह किसी भी क्षेत्र में बेटों से पीछे नहीं है। हमें आवश्यकता है संकरण मानसिकता से बाहर निकालने की तथा बेटियों को उचित शिक्षा समानता व सुरक्षा देने की।

गोदाम से लाखों का सामान व आभूषण चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

शहर के बेगू रोड स्थित एक गोदाम से चोर लाखों रुपए का सामान चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में बेगू रोड निवासी विश्व तनेजा ने बताया कि वह मोबाइल एसेसरीज का होलसेल का कार्य नजदीक गोल डिग्गी, विपुल मेडिकोज वाली गली में करता है। उसने इस बिल्डिंग के साथ वाली बिल्डिंग में अपना सामान रखने के लिए गोदाम बना रखा है। बीती 16 जुलाई की शाम को वे गोदाम को बंदकर घर चले गए। सुबह कर्मचारी सामान निकालने के लिए गए तो पता चला कि गोदाम से कुछ सामान गायब था। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना उन्हें दी। मौके पर जाकर देखा तो उनके गोदाम से डिजिटल घड़ी का डिब्बा, ईयर बड्स व अन्य सामान गायब था, जिनकी कीमत लगभग 3 लाख रुपए है। उसने आसपास के लोगों से भी पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। उधर, जिला के गांव माधोसिंघाना में एक मकान में घुसकर चोर 20 हजार रुपए की नकदी सहित हजारों रुपए के आभूषण चुरा कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में पुनीत गोदारा ने बताया कि जमाल रोड पर उनका मकान है। रात्रि को परिवार के लोग खाना खाकर सो गए। देर रात्रि को चोरों ने मकान में घुसकर कमरे में पड़ी अलमारी का ताला तोडक़र उसमें रखी 20 हजार रुपए की नगदी व 10 तोले चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए। सुबह उन्हें घटना का पता चला। कमरे में देखा तो सामान बिखरा पड़ा था। सामान संभाला तो उपरोक्त सामान गायब था। आसपास के लोगों से पूछताछ की तो पता चला कि चोर साथ वाली ढाणी भजनलाल के घर से भी 1200 रुपए नकदी और 1 जोड़ी चांदी की पाजेब चोरी कर ले गए।

राजकीय महिला कॉलेज में फिजिकल काउंसलिंग अंतिम दौर में

सिरसा। राजकीय महिला महाविद्यालय सिरसा में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए स्नातक (यूजी) तथा स्नातकोत्तर (पीजी) कक्षाओं में प्रवेश की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। इस कड़ी में महाविद्यालय प्रशासन ने बताया कि स्नातक कक्षाओं में फिजिकल काउंसलिंग की प्रक्रिया अंतिम दौर में है और अधिकांश पाठ्यक्रमों में सीटें लगभग भर चुकी हैं। कुछ ही पाठ्यक्रमों में सीमित सीटें शेष हैं। प्राचार्य डॉ. सज्जन सेलवाल ने बताया कि महाविद्यालय का वातावरण पूर्णतः शैक्षणिक, सुरक्षित व छात्रा-केंद्रित है। यहां अनुभवी प्राध्यापकों की टीम द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाती है। महाविद्यालय की जनसंपर्क अधिकारी प्रोफेसर मोनिका ने बताया कि स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में विशेष रूप से एम.कॉम में प्रवेश प्रक्रिया शनिवार 19 जुलाई 2025 से आरंभ हो गई हैं। इच्छुक छात्राएं उच्चतर शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकती हैं और आवश्यक दस्तावेजों सहित प्रवेश प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण करें।

अनाजमंडी में दो दिवसीय कृषि मेला 9 सितंबर से

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। विधायक गोकुल सेतिया कृषि मेले के पोस्टर का विमोचन करते हुए।

शहर की अनाज मंडी में आगामी 9 और 10 सितंबर को राज्यस्तरीय कृषि मेला आयोजित किया जाएगा, जिसमें हरियाणा के विभिन्न जिलों से काफी संख्या में किसान भाग लेंगे। इस दो दिवसीय मेले में कृषि क्षेत्र से जुड़ी उन्नत तकनीकों, संसाधनों और उपकरणों की जानकारी किसानों को दी जाएगी, ताकि वे अपने उत्पादन और आमदनी को बढ़ा सकें। इसी कड़ी में कृषि मेले के पोस्टर का सिरसा के विधायक गोकुल सेतिया द्वारा विधिवत विमोचन किया गया। कृषि मेला आयोजकों कुलतार पन्नू, दीप संधू व साहिल मक्कड़ ने कहा कि यह मेला किसानों के लिए एक बड़ी पहल है, जिससे उन्हें आधुनिक खेती, ड्रोन तकनीक, जैविक कृषि, जल संरक्षण व बीजों की गुणवत्ता जैसे विषयों की गहराई से जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि किसानों की भलाई की दिशा में यह एक मजबूत कदम है। मेले में कृषि विशेषज्ञों के अलावा बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधि, वैज्ञानिक और मशीनरी प्रदर्शक भी मौजूद रहेंगे, जो किसानों को उनकी जरूरत के मुताबिक समाधान और मार्गदर्शन देंगे। उन्होंने कहा कि सिरसा जिला हरियाणा के अंतिम पायदान पर है और पूरी तरह कृषि पर आधारित है, इसलिए यहां पर कृषि मेला आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। इस मेले में किसान एडवांस टेक्नोलॉजी से जुड़ेंगे और हाईटेक सिस्टम से अपडेट होंगे। सिरसा में होने वाले इस दो दिवसीय कृषि मेले में प्रदेशभर से किसान शामिल होंगे। इस मौके पर एडवोकेट जसविंद्र बराड़, कुलदीप सिंह गदराना, लल्ली सरपंच मल्लेकां, सुमेत कुल्लर, आर्यन बराड़, सुख मान, श्यामसुंदर शर्मा, सरबजीत सिंह, दरबारा सिंह आदि मौजूद थे।

समर्सिबल मोटर चोरी का खुलासा

तीन गिरफ्तार कब्जे से चोरीशुदा 13 समर्सिबल मोटरें, एक गैस कटर, एक ऑक्सीजन सिलेंडर तथा चोरी में प्रयुक्त एक वाहन भी बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रानियां

पुलिस ने समर्सिबल मोटर चोरी का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरीशुदा 13 समर्सिबल मोटरें, एक गैस कटर, एक ऑक्सीजन सिलेंडर तथा चोरी में प्रयुक्त एक वाहन भी बरामद किया है। डीएसपी ऐलनाबाद संजीव कुमार ने शनिवार को बताया कि 14 जुलाई को निर्मल सिंह पुत्र जंगीर सिंह निवासी गांव ओटु ने शिकायत दी थी कि उसकी दुकान के ताले काटकर अज्ञात लोग रात के समय लगभग 15-20 पुरानी

सिरसा। चोरी मामले में पकड़े गए आरोपी।

समर्सिबल मोटरें चोरी कर लीं। शिकायत पर थाना रानियां में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की जांच सहायक उप निरीक्षक सुनील कुमार द्वारा की गई। जांच के दौरान घटनास्थल का निरीक्षण, सीन ऑफ क्राइम टीम की मदद से साक्ष्य एकत्रित किए गए तथा साइबर सेल की सहायता ली गई। उन्होंने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस ने घग्घर बाईपास पर एक संदिग्ध वाहन को रोका, जिसमें 13 समर्सिबल मोटरें व अन्य उपकरण गाड़ी सहित बरामद हुए। मौके से तीन युवकों को काबू किया गया जिनकी पहचान राजेंद्र सिंह निवासी बामणवाला प्लॉट जिला फतेहाबाद, गुरजंट सिंह उर्फ बाढ़ी पुत्र जसवंत सिंह निवासी सहेदापाला, जिला मानसा व जगसीर सिंह पुत्र बाबू सिंह निवासी बामणवाला जिला फतेहाबाद के रूप में हुई।

विद्यार्थियों ने रोपित किए पौधे

सिरसा। डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, सिरसा में प्राचार्य नरेंद्र दहिया के मार्गदर्शन में शनिवार को स्कूल प्रांगण में एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें स्कूली विद्यार्थियों ने अपनी मां को समर्पित करते हुए पौधे रोपित किए। प्राचार्य नरेंद्र सिंह दहिया ने स्कूली विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह कार्यक्रम एक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता का भाव पैदा करना और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता को प्रोत्साहित करना है। प्राचार्य ने कहा कि पेड़ पौधे हमारे जीवन में माता के समान हैं, जो हमें निःस्वार्थ रूप से ऑक्सीजन, फल, छाया और संरक्षण प्रदान करते हैं। हमें भी जीवन में पेड़ पौधों के समान परोपकारी बनना चाहिए। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने का संकल्प दिलाया। इस सामाजिक कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षकों तथा विद्यार्थियों ने बढ़-चढक़र भाग लिया। विद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों की इस पहल को सराहते हुए सदैव इस दिशा में कदमताल करने का आह्वान किया।

जेल से छूटते ही शातिर चोर ने फिर की मोटरसाइकिल चोरी, पकड़ा गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। चोरीशुदा मोटरसाइककल सहित गिरफ्तार युवक।

जिला एंटी व्हीकल थेफ्ट टीम ने एक अहम कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल चोरी की वारदात का खुलासा किया है। टीम ने एक आदतन शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद किया है। शनिवार को इस बारे जानकारी देते हुए एवीटी प्रभारी उपनिरीक्षक बेदपाल ने बताया कि आरोपी कुछ ही दिन पहले जेल से रिहा हुआ था और रिहाई के तुरंत बाद ही उसने फिर से चोरी की वारदात को अंजाम दे डाला। इस संबंध में थाना शहर फतेहाबाद में 22 मार्च 2024 को धारा 303 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रेशम सिंह पुत्र जसवंत सिंह निवासी बीराबदी, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है। आरोपी के विरुद्ध थाना शहर फतेहाबाद में पहले से ही चार मोटरसाइकिल चोरी के मामले दर्ज हैं, जो उसकी आपराधिक प्रवृत्ति को दर्शाते हैं। एवीटी स्टाफ ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोच लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने वारदात में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। उसके कब्जे से चोरी की गई एक मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। फिलहाल आरोपी से आगे की पूछताछ की जा रही है।

शांति निकेतन स्कूल में मां के नाम पौधारोपण, 160 बच्चों को बांटे पौधे

भूना। शांति निकेतन स्कूल भूना में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। इस दौरान करीब 160 विद्यार्थियों को छायादार, फलदार और फूलदार पौधे वितरित किए गए। बच्चों को हर साल पौधारोपण करने की शपथ भी दिलाई गई। पांचवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए पर्यावरण पर ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिताएं करवाई गईं। प्राचार्या वनीता बंसल ने कहा कि पेड़ धरती के ग्रीन लंग्स हैं। ये जहरीली गैसों को सोखते हैं और ऑक्सीजन बढ़ाते हैं। इसलिए हर व्यक्ति को पेड़ लगाना चाहिए। स्कूल निदेशक जसबीर बेनीवाल ने कहा कि पेड़ों की छांव सबको चाहिए, लेकिन लगाने में लोग पीछे रह जाते हैं। पेड़ों की कमी से पृथ्वी पर गंभीर असर हो रहा है। ग्रीन हाउस गैसों के कारण ध्रुवों की बर्फ पिघल रही है। पर्यावरण असंतुलित हो गया है। जीवों के घर नष्ट हो रहे हैं। विद्यार्थियों को अपने परिवार, पड़ोसियों और रिश्तेदारों को पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करना चाहिए। इस मौके पर वाइस प्रिंसिपल सुमित कुमार, मैडम डिंपल, राजविंदर कौर, शिखा, सुनीता, गीता, शिल्पा अरोड़ा, श्वेता, शिल्पा, साक्षी, तमन्ना, खुशबू, सुमन, संतोष, संदीप, सुरेंद्र, विक्रम और सहायक स्टाफ मौजूद रहा।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
आवश्यकता है
भारत के तेजी से बढ़ते हिन्दी समाचार-पत्र हरिभूमि को सिरसा, फतेहाबाद जिले में डोर-टू-डोर मार्केटिंग के लिए उत्साही, योग्य व आकर्षक व्यक्तित्व वाले युवक-युवतियों की आवश्यकता है, जो मीडिया के क्षेत्र में कैरियर बनाना चाहते हैं
आयु : 18 से 30 वर्ष तक
योग्यता : 10+2 या इससे अधिक
वेतन : योग्यतानुसार (वेतन बुकिंग अनुसार)
मिलने का समय : प्रातः 11.00 से सायं 5.00 बजे तक (कार्यदिवस को)
अपना बायोडाटा मोबाइल नं. 9253681005 पर व्हट्सअप करें या hbcircurtk@gmail.com मेल करें।
सम्पर्क करें :- हरिभूमि कार्यालय
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 8814999173, 9253681005

कार्यक्रम राज्यसभा सांसद ने बार एसोसिएशन की मांगों को दिया त्वरित आश्वासन

बार एसोसिएशन प्रतिनिधियों ने की सांसद बराला से मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| टोहाना

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने शनिवार को अपने निवास स्थान पर क्षेत्रवासियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनहित से जुड़े विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को त्वरित समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। जनसंवाद के इस अवसर पर स्थानीय बार एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने भी सांसद से भेंट की और अधिवक्ताओं से जुड़ी विभिन्न मांगें उनके समक्ष रखीं। बार एसोसिएशन के सदस्यों ने अधिवक्ताओं से संबंधित सुविधाओं व संरचनात्मक आवश्यकताओं को लेकर विस्तारपूर्वक अवगत करवाया, जिस पर राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने तत्परता से प्रतिक्रिया देते हुए यथासंभव मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं की भूमिका समाज में अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे न केवल संविधान प्रदत्त अधिकारों की रक्षा करते हैं, बल्कि प्रशासनिक या विधिक अड़चनों से पीड़ित नागरिकों के लिए न्याय का मार्ग भी प्रशस्त करते हैं। राज्यसभा सांसद ने कहा अधिवक्ता समाज में संवैधानिक मूल्यों के रक्षक होते हैं। जो अधिकार संविधान ने हमें दिए हैं, यदि किसी कारणवश नागरिकों को उनसे वंचित होना पड़े, तो उसे पुनः दिलाने की जिम्मेदारी अधिवक्ताओं की होती है। बहुत से लोगों को उनके अधिकार अधिवक्ताओं के माध्यम से ही प्राप्त होते हैं। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, पार्टी कार्यकर्ता एवं बार एसोसिएशन के सदस्य मौजूद रहे।

- सदस्यों ने सुविधाओं व संरचनात्मक आवश्यकताओं को लेकर चर्चा की

टोहाना। सांसद सुभाष बराला से मिलता बार एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल।

धारा 370 जैसे ऐतिहासिक निर्णय लिए

सांसद सुभाष बराला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मूल मंत्र पर कार्य कर रही है। सरकार का स्पष्ट उद्देश्य है कि समाज के प्रत्येक वर्ग चाहे वह अधिवक्ता हो, किसान, श्रमिक, युवा, महिला, व्यापारी सभी को मूलभूत सुविधाएं, समान अवसर और गरिमामयी जीवन मिले। वर्तमान सरकार ने उन कानूनों में भी बदलाव किया है जो अंग्रेजी शासनकाल से चले आ रहे थे और आज की नागरिक आवश्यकताओं में बाधा बन चुके थे। पहले तो उन कानूनों पर चर्चा तक नहीं होती थी, लेकिन 2014 के बाद सरकार ने न केवल उन पर विचार किया, बल्कि समयानुकूल उन्हें संशोधित भी किया। उन्होंने कहा कि देश की संवैधानिक यात्रा के 75 वर्षों में जिन मूल विषयों पर विमर्श होना चाहिए था, उन पर अब ठोस कार्य हो रहा है। धारा 370 जैसे ऐतिहासिक निर्णय इसका प्रमाण हैं।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

कभी-कभी बन जाएं बच्चे
जी भर करें लाइफ एंज्वॉय

जीवन में सबसे सुहाने दिन बचपन के ही होते हैं। उस दौर से जुड़ी यादें हम कभी नहीं भूल पाते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि हम बड़े हो गए तो अब बच्चों जैसी हरकतें नहीं कर सकते। जब भी मौका मिले, कुछ पल के लिए ही सही फिर से बच्चा बनकर देखिए, आपका तनाव गायब हो जाएगा और लाइफ को भरपूर एंज्वॉय कर पाएंगे।

अपनी जिंदगी में रोजमर्रा की जिम्मेदारियों के बोझ से व्यथित होकर अकसर हम अपने बचपन के दिनों की मस्ती, बेपरवाही और उन दिनों से जुड़ी कुछ खास बातों को याद करके उदास हो जाते हैं और अनायास ही बोल पड़ते हैं, *बचपन के दिन भी क्या दिन थे, उड़ते फिरते थे तितली बन।* कई बार मन में ऐसा भी खयाल आता है कि सब के सपनों को साकार करने में, दुनिया की उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश में, कितना थक जाते हैं हम। हम सोचने लगते हैं कि काश, फिर से वो बेफिक्री आ जाए, जो बचपन के दिनों में हुआ करती थी। वाल्ट डिजनी ने कहा था, 'इस दुनिया की मुश्किल यह है कि बहुत सारे लोग बड़े हो गए हैं।'

नहीं भूलते वो मस्ती भरे दिन

इस दुनिया में शायद ही कोई शख्स होगा, जो अपने बचपन के दिनों में लौट जाने की ख्वाहिश ना रखता हो, जब जिम्मेदारियां कम थीं और खुशियां बेशुमार। होमवर्क को झटपट पूरा किया और घर से बाहर निकल गए कॉलोनी के पार्क में, मकान की छत पर या अपनी बालकनी में। कभी मिट्टी में लथपथ हुए, तो कभी बारिश के पानी में भीगे। बाजार से गेंद नहीं ला पाए तो रद्दी कागजों का गोला बनाकर खेलने लगे। महंगे खिलौने ना हों तो कागज की नाव या पतंग ही सही। बस मस्ती चाहिए थी, हर कीमत पर।

करें ऐसा, जिसमें आए मजा

आप चाहें तो आज अपने बचपन वाली उम्र भले वापस ना ला सकें, लेकिन 40, 50, 60 साल के होने के बावजूद दिल बचपन का ला सकते हैं। इससे न सिर्फ आपको अनूठी खुशी मिलेगी बल्कि स्ट्रेस लेवल भी कम होगा। याद कीजिए बचपन में हम कितने क्रिएटिव होते थे। हमारे पास हर चीज का विकल्प था। माचिस की बेकार डिब्बियों से टीवी जैसी आकृति बना लेते थे। अखबारों या पत्रिकाओं से कटी तस्वीरों को एक के बाद एक चिपका कर लंबा करना फिर उनके दोनों सिरे पर 2 तिनकों में लपेटना। फिर डिब्बी बीच से काटकर स्क्रीन बनाकर तिनके घुमाते हुए अलग-अलग तस्वीरें देखना। एक रुपए के लट्टू या 2 रुपए की गेंद से दिनभर खेलना, मस्ती करना। कागज की नाव बनाकर उसे बरसात के पानी में चलाना। चित्रकारी, डांस, कॉमिक्स पढ़ना, किसी गीत की पैरोडी बनाकर उसे गुनगुनाना हमें कितना प्रफुल्लित करता था। अब भी क्या बिगड़ा है! अब भी आप ऐसी क्रिएटिव एक्टिविटी अपनाएं, जो आपको खुशी दे। कुकिंग, डांसिंग, सिंगिंग, ड्राइंग कुछ भी कीजिए ताकि कुछ देर अपनी जिम्मेदारियों को भूल कर उसमें व्यस्त हो जाएं।

याद करिए गुजरे हुए दिन

किसी ने कहा है, *टूटे बर्तन को खिलौना बना लेते हैं, हम बच्चे हैं हर जगह आशियाना बना लेते हैं।* अगर इसी सिद्धांत पर आज भी चलें तो आप खूब खुश रहेंगे। अगर आप संयोगवश अभी उसी शहर में रहते हैं, जहां आपका जन्म हुआ और बचपन बीता तो कभी उस गली या मोहल्ले में जाइए, जहां आपने बचपन बिताया और उन दिनों को शिद्दत से याद कीजिए। उस मकान के अड़ोस-पड़ोस में रहने वाले लोगों से मिलिए, जहां आप रहते थे। उनसे खूब गपशप कीजिए। अगर आपका शहर बदल गया है तो आप गूगल की मदद से उस मोहल्ले, पार्क या स्कूल को देख सकते हैं, जहां आपने बचपन बिताया था, या फिर फेसबुक के माध्यम से अपने बचपन के दोस्तों को ढूंढ़ कर उनसे बातचीत कर सकते हैं। आपके पास बचपन की तस्वीरों का एल्बम हो तो उन तस्वीरों को देखिए और एक-एक तस्वीर से जुड़ी बातें याद कीजिए। वही वाली टॉफी खरीदकर फिर से खाइए, जो आपको खूब पसंद हुआ करती थी। उस मिठाई की दुकान पर जाकर समोसा या कचौरी खाइए, जहां के समोसे, कचौरी आप बचपन में बड़े चाव से खाते थे। आप कुछ देर के लिए ही सही अपने बचपन में पहुंच जाएंगे। यकीन मानिए, किसी की लिखी ये पंक्तियां आपको बरबस याद आ जाएंगी कि *नंगे पांव दौड़ते थे उस बचपन में। बढ़ते तजुर्बे ने पैरों में चुभन का एहसास करा दिया।*

खूब लें राइडिंग का मजा

अपने बचपन को लौटाने के लिए, उन पलों को फिर से जीने के लिए आज के जमाने में बेस्ट प्लेस हैं एम्यूजमेंट पार्क। एम्यूजमेंट पार्क में छोटे बच्चों को खेलते देखकर आपको अपना बचपन याद आ जाएगा। फिर तरह-तरह के राइड्स का आनंद लेना, वहां घूमना-फिरना और मस्ती करना आपके अंतर्मन को पूरी तरह खुश कर देगा। जब मौका मिले, आप ऐसी जगहों पर जरूर जाएं और राइड्स के साथ-साथ वहां मिलने वाले डिफरेंट फूड्स एंज्वॉय करना ना भूलें।

बचकानी हरकतों से ना झिझकें

किसी ने क्या खूब लिखा है, *झूठ बोलते थे फिर भी कितने सच्चे थे हम। यह उन दिनों की बात है जब बच्चे थे हम।* आपने देखा होगा कि बच्चों को जो पसंद आता है, वे उसे पूरी मस्ती के साथ करते हैं। चाहे खेलना-कूदना हो, गाना हो या नाचना हो। उन्हें इस बात की बिल्कुल परवाह नहीं रहती कि कोई क्या सोचेगा या क्या कहेगा? उनका पूरा ध्यान सिर्फ अपनी खुशी और मस्ती में होता है। आपको भी बिल्कुल वही बेपरवाही अपनानी होगी। अपने हमउम्र दोस्तों के साथ ठहाके मारकर हंसना, चुटकुले सुनाना, डांस करना या जो अच्छा लगता हो करें। यकीन मानिए आप अपनी उम्र काफी कम महसूस करने लगेंगे। इस बारे में मनोचिकित्सक डॉक्टर संजय गर्ग कहते हैं, 'हम वयस्क होकर भी बच्चों जैसी मस्ती कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए बनावटी कंफर्ट जोन से बाहर आकर रियल कंफर्ट जोन में जाने के लिए मेंटली प्रिपेयर होना पड़ेगा।' *

लाइफस्टाइल / अंजू जैन

कुछ लोगों की आदत होती है कि वे हर छोटी-बड़ी बात पर जरूरत से ज्यादा सोच-विचार यानी ओवर थिंकिंग करते हैं। इससे वे कोई भी निर्णय जल्द नहीं ले पाते हैं। अगर आप भी ऐसी समस्या से ग्रस्त हैं तो यहां बताए जा रहे उपायों को आजमा सकते हैं।

क्या आप भी करते रहते हैं
हर बात पर ओवर थिंकिंग

यह सही है कि कोई भी काम अच्छी तरह सोच-विचार कर करना चाहिए। विचारशीलता और मनन करना अच्छी बात है। लेकिन जब आपका चिंतन, मनन या विचार मंथन जरूरत से ज्यादा समय तक या ज्यादा मात्रा में होने लगता है तो यह अनायास ही चिंता और ओवर थिंकिंग की आदत में तब्दील हो जाता है, जो लाइफस्टाइल को प्रभावित कर सकता है। इसलिए इस हैबिट से उबरने के लिए यहां बताई जा रही बातों पर अमल करें।

दूसरों पर ध्यान न लगाएं: हमारा मन अकसर बाहरी कारकों पर ध्यान केंद्रित करने पर उलझा रहता है। जब हम ईर्ष्या, दूसरों द्वारा हमारी आलोचना, दूसरों की सुख-समृद्धि पर ध्यान केंद्रित करते हैं तो हमारा मन अस्थिर और अशांत हो जाता है। इसलिए बेहतर होगा कि हमारी सोच और चिंतन का दायरा उन्हीं चीजों तक सीमित हो, जिन्हें हम सुधार, बदल या नियंत्रित कर सकते हैं। पुस्तक 'हेवनॉट गॉट टाइम फॉर द पेन' में लिखा गया है कि आपको अपने उलझे हुए विचारों को बदलना और उनका समाधान करना सीखना चाहिए। सबसे पहले जानिए कौन से विचार आपको पीड़ा देते हैं? उन विचारों को छोड़ने की कोशिश करें। ज्यादा सोचने से चीजें उलझ जाती हैं। इसलिए जीवन जीने और सोचने की प्रक्रिया को सरल रखें।

धैर्य बनाए रखें: यह एक मूलभूत सिद्धांत है कि आप जो अभी बोएंगे उसकी फसल आप बाद में काट पाएंगे। लेकिन हमारा चंचल स्वभाव इस बात को मानता नहीं और वह तुरंत परिणाम न मिलने पर विचलित हो जाता है। अपनी मेहनत के परिणाम के लिए जरा सा धैर्य रखिए फिर भी वांछित नतीजा ना मिले तो उस पर पुनर्विचार करिए।

भाग्य को न कोसें: मुश्किल परिस्थितियों में मनुष्य भाग्य को दोष देता है। लेकिन उसका भाग्य अधिकांशतः उसके चरित्र, जुनून, गलतियों और कमजोरी का ही प्रतिबिंब होता है। उसे अपने अवसरों से संतुष्ट रहना चाहिए और उनका फायदा उठाने की युक्ति पर विचार करते हुए स्वयं को बेहतर करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

परफेक्शन की जिद छोड़ें: कई लोग पूर्णतावाद के शिकार होते हैं। वह किसी काम को करने के बाद भी बार-बार सोचते हैं कि इसे और कैसे बेहतर किया जाए? अगर आपकी भी यह समस्या है तो इससे उबरें। एक काम के बाद अपनी अगली प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करें।

टू द पॉइंट सोचें: आप क्या सोच रहे हैं, क्यों सोच रहे हैं और किन मूल बिंदुओं पर आपका चिंतन है, यह पूरी तरह स्पष्ट होना चाहिए। इसके लिए बिंदुओं को लिख लीजिए। विभिन्न पहलुओं पर गौर कीजिए और फिर सोचिए। ऐसी सोच आपको निर्णय लेने में मददगार होगी और समय भी नष्ट नहीं होगा।

अनुभवी लोगों से मिलें: विचार मंथन की प्रक्रिया अगर लंबी खिंच रही हो और आप किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पा रहे हों तो अनुभवी व्यक्तियों से सलाह लें। कुछ परिस्थितियों में सबसे अच्छा यह होता है कि आप अपनी गट फीलिंग का उपयोग करें। आपका अंतर्मन यानी सिक्स्थ सेंस जो कहे उसे ही सही मानें। कई शोध हो चुके हैं, जिनसे पता चलता है कि गट फीलिंग और लॉजिकल सोच का संयोजन सही निर्णय लेने में मददगार होता है।

मन को थकाने से बचें: आपको हर दिन छोटे-बड़े सैकड़ों निर्णय लेने होते हैं, जो आपके मन को थका सकते हैं। ऐसे में बहुत जरूरी है कि अपने दिमाग की शक्ति को बचाने के लिए, एक दिनचर्या बनाएं, जिसमें उलझे हुए विषयों पर विचार के लिए एक वक्त तय कर दें। इसी समय जरूरी बातों पर निर्णय लें। बेवजह विचारों के सागर में डूबे रहना समय और ऊर्जा की बर्बादी है। इसकी बजाय सकारात्मक सोच के बीज बोएं और जरूरी चीजों पर विचार करें। पुस्तक 'डेवलपिंग इन टू, हेल्दी थिंकर्स' में कहा गया है कि सकारात्मक वाक्य हमें एक खुशहाल और भयमुक्त जीवन बनाने में प्रभावशाली रूप से मदद करते हैं। अपनी आवश्यकताओं के अनुसार सूक्तियां चुनें या अपने प्रेरक वाक्यांश बनाएं और उन पर अमल करें।

समय पर छोड़ दें: अगर आप यह सोचकर चिंतित रहते हैं कि पता नहीं कोई समस्या सुलझेगी या नहीं, तो याद करें अतीत में आपने कितनी ही समस्याओं को सुलझाया है। इससे आपकी थिंकिंग पॉजिटिव साइड में चली जाएगी। इससे साथ ही आपको यह भी याद रखना चाहिए कि कई समस्याएं तो समय के साथ सुलझ जाती हैं। ओवर थिंकिंग से बचने का सबसे आसान तरीका पुस्तक 'स्टॉप लुक एंड लिसन' में बताया गया है। इस पुस्तक में विस्तार से समझाया गया है कि आप वर्तमान में जिएं और उस क्षण को पूरी तरह महसूस करें। जिंदगी को एक तय उद्देश्य के साथ आगे बढ़ाएं। कर्म पर विश्वास करें और अपनी मानसिक स्थिति पर नियंत्रण रखें। *

सजेशन
मोनिका शर्मा

स्मार्ट गैजेट्स से दूर रहकर भी
मिल सकती है खुशी-सुकून

हालांकि आज के दौर में स्मार्ट गैजेट्स से पूरी तरह दूर रहना तो संभव नहीं रह गया है। लेकिन अगर केवल इस पर इंटरनेट यूज को कंट्रोल कर लें तो भी खुशी और सुकून हासिल कर सकते हैं।

सब कुछ पा लेने से ही सुकून नहीं मिलता। खुशी का मतलब दुनिया भर से जुड़े रहना ही नहीं होता। टेक्नीक के घेरे में घिरी आज की जिंदगी में स्मार्ट तकनीकों से लैस गैजेट्स से दूरी बनाना भी मन को सुख दे सकता है। वर्चुअल दुनिया में अनजान लोगों तक से जुड़ने और हर पल जुड़े रहने के बजाय, स्क्रीन की मौजूदगी पर लगाम लगाना भी मन को खुशी दे सकता है। टिक-टिक की आवाज पर हमारा ध्यान भटकाते नोटिफिकेशंस को बंद रखना भी मन को शांत सहज रख सकता है। कनाडा और अमेरिका में हुआ एक ताजा अध्ययन नोटिफिकेशंस की टोन पर भागते मन की लगाम थामकर असली दुनिया में सच्चे सुख को जीने की बात पुख्ता करता है।

टिक-टिक पर कंट्रोल के लाभ: बीते कुछ वर्षों में स्मार्टफोन का साथ एक आदत बन गया है। बहुत से लोगों के लिए तो स्क्रीन में झांकते रहना किसी लत से कम नहीं। वहीं इस आदत के खामियाजों को समझकर खुद को वर्चुअल व्यस्तता से बचाने के प्रयास भी खूब किए जा रहे हैं। हालांकि आज के समय में फोन एक जरूरत भी बन गया है। इससे पूरी तरह दूर रहना भी मुश्किल है। पर इसके लती बनने से तो बचा जा सकता है। अमेरिका और कनाडा की कुछ यूनिवर्सिटीज द्वारा एक महीने तक 467 आईफोन यूजर्स पर की गई एक रिसर्च इस मोर्चे पर सही और सहज राह दिखाती है। असल में इस स्टडी में शामिल होने वाले लोगों को फोन का उपयोग पूरी तरह बंद करने की बजाय इंटरनेट का इस्तेमाल न करने को कहा गया था। इन लोगों के फोन में बाकायदा एक एप डाउनलोड की गई थी, जो फोन पर मोबाइल इंटरनेट ब्लॉक करने से जुड़ी थी। अध्ययन में सामने आया कि इंटरनेट बंद रखना लोगों का फोकस बढ़ाने और दिमाग भी जवान करने में मददगार साबित हो सकता है। इतना ही नहीं कुछ दिनों तक अगर फोन में ऐसी सेटिंग रखी जाए तो मूड में भी सुधार हो सकता है। इंसान का दिमाग तो 10 साल तक जवान हो सकता है। स्पष्ट देखने में भी आ रहा है कि पल-पल मिलते नोटिफिकेशंस यूजर्स का ध्यान भटकाने और मेमोरी लॉस का कारण बन रहे हैं। ऐसे में इंटरनेट सेटिंग्स के माध्यम से टिक-टिक पर लगाम लगाने के बहुत लाभ यूजर्स को मिल सकते हैं। आम लोगों के लिए भी खुद को स्मार्ट गैजेट्स से दूर रखने के लिए कुछ समय तक मोबाइल इंटरनेट बंद रखने का यह रास्ता अपनाने योग्य है।

सेटिंग्स का खास असर: फोन की सेटिंग्स चेंज करना कोई बड़ा बदलाव प्रतीत नहीं होता पर इसका असर बहुत अहम है। एक महीने की इस रिसर्च में दो हफ्ते बाद ही लोगों पर मोबाइल इंटरनेट बंद रखने की साधारण सी सेटिंग्स का असाधारण प्रभाव दिखने लगा। अध्ययन में शामिल लोगों ने माना कि वे पहले से ज्यादा खुश हैं। साथ ही अपनी जिंदगी को लेकर उनमें संतुष्टि का भाव भी बढ़ गया है। टिक-टिक या कोई और नोटिफिकेशन टोन को बंद रखने से यूजर्स को ना केवल मानसिक तौर पर स्वस्थ महसूस हुआ बल्कि यह बेहतरी से जुड़े ये बदलाव कॉग्नेटिव बिहेवियरल थेरेपी के बराबर थे। रिसर्च में शामिल लोगों ने बताया कि फोकस्ड रहने को लेकर भी उन्होंने पॉजिटिव बदलाव महसूस किए। साथ ही अटेंशन टेस्ट में इन लोगों के दिमाग ने अपने से 10 साल जवान लोगों के बराबर परफॉर्म किया।

हर फ्रंट पर पॉजिटिव बदलाव: इस स्टडी में सामने आया कि लोगों ने फोन छोड़कर अपने से जुड़े इंसानों के साथ ज्यादा समय बिताया। अच्छे से नींद लेने और एक्सरसाइज करने पर भी ध्यान दिया। लोगों ने हर रात औसतन 17 मिनट अधिक नींद ली। इन नतीजों को देखते हुए रिसर्चर का कहना है कि स्मार्ट फोन से पूरी तरह दूरी नहीं बनाई जा सकती पर इसके इस्तेमाल में बैलेंस रखना बहुत आवश्यक है। यह बहुत व्यावहारिक सा पक्ष है कि हर पल मिलते नोटिफिकेशंस से दूर रहना मानसिक ठहराव देने का काम करता है। यह ठहराव एकाग्रता की सौगात देता है। फोकस्ड रहने वाला इंसान कामकाजी संसार में बेहतर परफॉर्म कर पाता है। *

नवगीत
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

कांच के बर्तन

नहीं होते भरोसेमंद
कांच के बर्तन
करने लगते हैं हवा के
सामने नर्तन।
फिजूल दूध को खौलाते रहे
मथ डाले
निकाल लेते हैं मलाई
बेचने वाले
हक में आता है क्रेताओं
के अब खुरचन।
सिर्फ बदली हैं तख्तियां
बदले हैं मुखड़े
नई नहीं है संरचना
बदले हैं टुकड़े
हुआ नहीं है सालों से
कोई परिवर्तन।
काटने की लगी है होड़
अंधभक्तों में
फल और फूल नहीं दिखते
अब दरख्तों में
मांगने के लिए
होता है मिथ्या अर्चन।
स्वयंभू गुरुओं के चेलों
की हैं दुकानें
बखान करते हैं बौद्धिकता
के अफसाने
अपने जैसों के आगे
करते हैं गर्जन।
घरों को लूट रहे हैं
उनके रखवाले
जुबां पे आम आदमी के
पड़े हैं ताले
असत्य बोला नहीं करते
कभी भी दरपन।

व्यंग्य/ अंशुमाली रस्तोगी

लोग सोने के महंगा होने पर, अदृश्य डर के कारण, उसे लॉकर में डलवा देते हैं, जबकि मैंने सोना घर में ही रख छोड़ा है। वो इसलिए कल को अगर चोर मेरे घर चोरी करने आता है तो उसे निराश होकर न लौटना पड़े।

सोना और चोर

सोना जब देखो तब बमचक मचाए ही रहता है। ऐसे में न खरीदने वालों के हाथ आ पाता रहा है, न चोरों के। इससे सबसे अधिक 'आर्थिक नुकसान' हमारे चोर भाइयों का होता है। बेचारे न सोना चुरा पाते हैं, न बेच। महंगे होने के कारण लोगों ने सोना पहनना भी कम कर दिया है। और घर में जो रखा होता है, उसे लॉकर में डलवा देते हैं। अब चोर किस मुंह से किसी के घर चोरी करने जाए। सोना ही एक ऐसा आइटम है, जिसे चुराकर वे अच्छी कमाई कर लेते हैं। अपना घर चला लेते हैं। लेकिन उस पर भी अकसर ही ग्रहण लग जाता है। इसलिए छिनैती की घटनाएं भी अब घट गई हैं। वरना पहले तो चेन-कुंडल खींचने की वारदातें आए दिन अखबारों में पढ़ने को मिल जाया करती थीं। महिलाएं भी बड़ी अजीब हैं। अरे, अपने लिए नहीं तो कम से कम चोरों की भलाई के लिए ही सोना पहन कर घर से बाहर निकला करें। ताकि उन बेचारों की भी दुकान चलती रहे। एक यही तो उनकी कमाई का जरिया है, उस पर भी महंगाई की मार। घोर अन्याय है चोर बिरादरी के साथ। मैं इसकी सख्त शब्दों में मजम्मत करता हूं। सरकार को इस बारे में जरूर कुछ सोच-विचार करना चाहिए।

सोने के संग समस्या यही है कि वो कब बढ़ जाता है, कुछ पता नहीं चलता। रात भर में अपना दांव खेल देता है। लोगों ने भी सोने के प्रति ना जाने क्या मोह पाल रखा है कि रोटी पानी में डुबोकर खा लेंगे, लेकिन सोना जरूर खरीदेंगे। चाहे घर में खुद के रहने के लिए जगह न हो पर सोना जरूर रखेंगे। पहनने को चाहे ढंग के कपड़े न हों पर सोना जरूर पहनेंगे। मतलब हद है। यह नहीं होता कि थोड़ा सोना चोरों को भी दे दें ताकि उनका घर-परिवार भी चलता रहे। किसी गरीब की भलाई करने में दुआएं ही मिलती हैं।

चोरी करना कितना जोखिम भरा काम है, यह तो कोई चोर से ही पूछे। किसी अनजान घर में जाकर चुराई करना, मेरे तो सोचकर ही पसीने छूट जाते हैं। यहां मैं कलम चलाकर ही खुद को ऊंचा लेखक मानता हूं। अजी, कलम का क्या है कोई भी चला सकता है। परंतु चोरी हर कोई नहीं कर सकता। इसके लिए जिगर और इच्छाशक्ति दोनों की भरपूर जरूरत होती है। कभी-कभी तो चोर मुझे, लेखकों से कहीं अधिक सरल और सच्चे जान पड़ते हैं। लेखक चूंकि बुद्धिजीवी होता है, इसलिए हर समय शब्दों-भाषा का जाल बुनता रहता है। चोर सिर्फ चोर होता है। अपने धंधे से मतलब रखता है। यहां-वहां अपनी टांग नहीं फंसाता फिरता। वो तो खामख्वाह मैं लेखक बन गया, जबकि मुझे तो चोर ही बनना चाहिए था।

लोग सोने के महंगा होने पर, अदृश्य डर के कारण, उसे लॉकर में डलवा देते हैं, जबकि मैंने सोना घर में ही रख छोड़ा है। वो इसलिए कल को अगर चोर मेरे घर चोरी करने आता है तो उसे निराश होकर न लौटना पड़े। उसका भी घर-परिवार चलता रहे। वो मुझे दुआएं दे। सोने का क्या है, वो तो पैसे की तरह हाथ का मैल है। आज है, कल नहीं। बल्कि मैं तो कहता हूं, देश के हर नागरिक को चोरों का ख्याल रखना चाहिए। ज्यादा नहीं तो महीने में दो चोरियां तो अपने घर में करवा ही लेनी चाहिए। बड़े-बुजुर्ग भी कह गए हैं, धन बांटने से बढ़ता है।

सही बोल रहा हूं, सोने का चोरी चला जाना पुण्य का काम है। इससे घर में बरकत बनी रहती है। सोने का महंगा होना चोरों के पेट पर लात है।

मुझे आम आदमी की सोने के पीछे दीवानगी कभी समझ नहीं आई। जिसे देखो वो सोना जोड़ने में लगा पड़ा है। कोई शौक के लिए जोड़ रहा है तो कोई शादी के लिए जोड़ रहा है तो कोई आड़े वक्त के लिए जोड़ रहा है। अमां, क्या कीजिएगा इतना सोना जोड़कर। जबकि साथ कुछ नहीं ले जाना है फिर भी...। यही सोना जब चोरी चला जाता है तब रोते हैं। चोरों को बद्दुआएं देते हैं। थाने में रपट लिखवाते हैं। बेवजह पुलिस वालों को भी परेशान करते हैं। मैं तो फिलहाल इस प्रतीक्षा में हूं कि सोना जल्द थोड़ा और नीचे आ जाए और चोरों का कारोबार फिर से चल निकले। मुझे यह कतई अच्छा नहीं लगता कि हम खाएं और चोर बेचारे हमारा मुंह ताकें। उनका दाना-पानी भी चलता रहे तो क्या हर्ज है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

सर्जना और व्याख्या

वरिष्ठ लेखक-पत्रकार अवधेश श्रीवास्तव साहित्य के गंभीर पाठक-विवेचक भी हैं। लंबे समय से वे विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं के लिए पुस्तक समीक्षाएं लिखते रहे हैं। हाल में उनकी लिखी समीक्षाओं का संकलन 'सर्जना और व्याख्या' पुस्तकाकार में आया है। इसमें उनके द्वारा लिखी गई तीस पुस्तकों की समीक्षाएं संकलित हैं। अवधेश श्रीवास्तव पुस्तकों का मूल्यांकन पूरी गंभीरता से करते हैं। वे अगर किसी किताब की विशिष्टताओं को रेखांकित करते हैं तो उसकी खामियों पर भी अंगुली रखने से परहेज नहीं करते हैं। यहां विष्णु प्रभाकर, भगवती चरण वर्मा, असगर वजाहत, अलका सरावगी, गोविंद मिश्र, शिवमूर्ति, राम दरश मिश्र, ओम निश्चल आदि की पुस्तकों के अलावा अर्नेस्ट हेमिंग्वे के अनूदित उपन्यास 'शस्त्र विदाई' की समीक्षा भी पढ़ी जा सकती है। *

पुस्तक: सर्जना और व्याख्या (समीक्षात्मक लेख)
लेखक: अवधेश श्रीवास्तव, **मूल्य:** 250 रुपए,
प्रकाशक: शांभवी प्रकाशन, गाजियाबाद

महादेव शिव की दिव्य-भव्य प्रतिमाएं

आस्था / शिखर चंद जैन

महादेव शिव को समर्पित सावन के विशेष महीने में भक्तगण भगवान शिव से जुड़े तीर्थ-स्थलों की यात्रा करते हैं। इस अवसर पर हम आपको अपने देश के विभिन्न स्थानों में स्थित भगवान शिव की कुछ दिव्य और भव्य प्रतिमाओं के बारे में बता रहे हैं। इनके दर्शन मात्र से विलक्षण शांति प्राप्त होती है।

मुरुदेश्वर महादेव कर्नाटक

कर्नाटक के उत्तरी हिस्से के भटकल तहसील में स्थित है मुरुदेश्वर महादेव मंदिर। 'मुरुदेश्वर' भगवान शिव का ही एक नाम है। यहां महादेव की जो मूर्ति स्थापित की गई है, वह देश-दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी शिव प्रतिमा है। यह प्रतिमा 123 फीट ऊंची है। इसे बनाने में 2 साल का वक्त लगा। मुरुदेश्वर मंदिर अरब सागर के तट पर स्थित है। यह तीन ओर से अरब सागर से घिरा हुआ है। यह स्थल मंगलौर से 165 किलोमीटर दूर स्थित है। यहां साल भर भक्तों और पर्यटकों का आगमन होता रहता है। *

आदियोगी शिव, कोयंबटूर

भगवान शिव के मुख की दुनिया में सबसे बड़ी प्रतिमा है आदियोगी शिव प्रतिमा। कोयंबटूर से करीब 30 किलोमीटर दूर स्थित यह शिव प्रतिमा 112 फीट ऊंची है। इसका वजन 500 टन है। इसका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज किया गया है। इस प्रतिमा को बनाने में सीमेंट, कंक्रीट, बालू आदि किसी भी वस्तु का इस्तेमाल नहीं किया गया है बल्कि इसे धातु के टुकड़ों से बनाया गया है। इसके निर्माण में ढाई साल लगे। इस मंदिर के निर्माण से संबद्ध संस्था ईशा फाउंडेशन के अनुसार आदियोगी शिव का यह चेहरा मुक्ति का प्रतीक है। यह शिव प्रतिमा योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाई गई है। *

सर्वेश्वर महादेव, वडोदरा

गुजरात के वडोदरा शहर के मध्य में स्थित है सूरसागर झील और इस झील के बीचों-बीच विराजमान हैं सर्वेश्वर महादेव। 78 फीट गहरे 23 खंभों पर टिकी सर्वेश्वर महादेव की यह मूर्ति 120 फीट ऊंची है। इसके निर्माण में 6 वर्ष लगे थे। यह स्थान अहमदाबाद से 112 किलोमीटर दूर है। शिव भक्तों के लिए यह मंदिर आस्था का केंद्र तो है ही, अन्य धर्मावलंबियों एवं पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र है। इस मंदिर के आस-पास भी बहुत कुछ दर्शनीय है। *

सिद्धेश्वर महादेव, सिक्किम

सिक्किम के सोलोफोक पहाड़ी पर सिद्धेश्वर महादेव यानी भगवान शिव की बैठी हुई मुद्रा में लगभग 87 फीट ऊंची प्रतिमा विराजमान है। आधार से इसकी ऊंचाई 108 फीट है। सिक्किम के लोग इसे नामची महादेव और भगवान किरतेश्वर के नाम से भी पूजते हैं। सफेद रंग की यह मूर्ति आस्थावान शिव भक्तों के साथ-साथ पर्यटकों को भी आकृष्ट करती है। यहां भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों के साथ-साथ चार धामों- बद्रीनाथ, जगन्नाथ, द्वारका और रामेश्वरम की प्रतिकृतियां भी स्थापित हैं। *

हर की पैड़ी के शिव, हरिद्वार

हरिद्वार में हर की पैड़ी मंदिर बेहद लोकप्रिय श्रद्धा का केंद्र है। इसके ठीक सामने मौजूद है स्वामी विवेकानंद पार्क जहां भगवान शिव की 100 फीट ऊंची प्रतिमा विराजमान है। यहां देर शाम तक ठहर कर आप महादेव शिव के दर्शन के साथ-साथ गंगा आरती का भव्य नजारा भी देख सकते हैं। *

बेंगलुरु शिवोहम शिव मंदिर

ये शिव प्रतिमाएं भी हैं भव्य

यहां वर्णित भगवान शिव की विशाल एवं दिव्य प्रतिमाओं के साथ-साथ देश में कई अन्य स्थानों पर भी शिव के विशाल स्वरूप के दर्शन होते हैं।

- जबलपुर (मध्य प्रदेश) के कंछार शहर में 76 फीट लंबी शिव प्रतिमा मौजूद है। इसके चारों तरफ 12 ज्योतिर्लिंग भी विराजित किए गए हैं।
- बेंगलुरु में शिवोहम शिव मंदिर में मौजूद शिव प्रतिमा 65.6 फीट ऊंची है। यहां पृष्ठभूमि में हिमालय की प्रतिकृति बनाई गई है।
- गुजरात के द्वारका में मौजूद है नागेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर। यहां विराजित शिव प्रतिमा 82 फीट ऊंची है।

गुजरात नागेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर

सेल्फ इंप्रूवमेंट / जोगिंदर रोहिल्ला

सफलता के लिए सीखनी होगी समय प्रबंधन की कला

समय की कद्र करना ही सफलता की पहली सीढ़ी है। पैसा, शोहरत, संबंध, सब कुछ दोबारा पाया जा सकता है, लेकिन एक बार गया हुआ समय फिर नहीं आता। इसलिए अगर सफल होना चाहते हैं, तो समय प्रबंधन की कला सीखनी ही होगी।

भारत के प्रसिद्ध महान आचार्य चाणक्य ने कहा था, 'पैसा दोबारा कमाया जा सकता है, लेकिन गया हुआ समय कभी वापस नहीं आता।'

सच है, हम सभी के पास दिन में 24 घंटे होते हैं। किसी के पास न ज्यादा, न कम। इसके बावजूद कुछ लोग हर दिन नई ऊंचाइयों को छूते हैं, जबकि बहुत सारे लोग समय की कमी की शिकायत करते रहते हैं। इसका कारण सीधा और सपष्ट है- सफल लोग समय को सिर्फ बिताते नहीं, वे अच्छे से समय को मैनेज करते हैं। हालांकि आज की तेज रफ्तार जिंदगी में लोग सबसे ज्यादा जिस चीज की कमी महसूस करते हैं, वह है- समय। घर-ऑफिस का वर्क प्रेशर, सोशल मीडिया, परिवार की जिम्मेदारियों में उलझकर लोग यही कहते हैं, क्या करें समय ही नहीं मिलता। पर सच यह है कि समय मिलता नहीं, समय मैनेज करना होता है। इसीलिए ब्रायन ट्रेसी ने कहा है, 'जो लोग अपने समय को नियंत्रित नहीं करते, वे अपने जीवन को नियंत्रित नहीं कर सकते।'

सक्सेसफुल टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर के सफल बनने के पीछे केवल उनकी प्रतिभा ही नहीं, बल्कि उनका अनुशासित समय प्रबंधन भी था। उन्होंने अपनी ट्रेनिंग, रिकवरी और निजी जीवन-तीनों को संतुलन के साथ समयबद्ध किया, जिससे उनका प्रदर्शन लगातार ऊंचाइयों पर बना रहा।

समय प्रबंधन क्यों है जरूरी: हमें समझाना होगा कि समय सीमित है। औसतन इंसान के पास सिर्फ 4000 हफ्ते होते हैं। घर-बाहर के काम कभी खत्म नहीं होते, इसलिए यह तय करना जरूरी है कि किस काम को पहले करना है और किसे बाद में?

आपको समझना होगा कि संतुलित जीवन में करियर, स्वास्थ्य, रिश्ते, खुशी सभी के लिए समय चाहिए होता है। जब हर चीज की प्लानिंग होती है तो इससे तनाव कम होता है, मन शांत रहता है।

समय प्रबंधन के तरीके: समय प्रबंधन करना बहुत कठिन नहीं होता है, इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखना होता है।

प्राथमिकता तय करें: जो काम जरूरी है, वही पहले करें। अर्जेंट और इंपॉर्टेंट का अंतर समझें। इसी तरह यह भी बहुत जरूरी है कि अनावश्यक कामों को मना करना सीखें। ऐसे काम करने में अपना टाइम वेस्ट ना करें।

प्लानिंग करें: काम शुरू करने के पहले से ही आपका हर महीना, हफ्ता और हर दिन प्लान होना चाहिए। अगर ये बहुत ज्यादा लगता है तो हर हफ्ते और हर दिन की प्लानिंग से शुरू कीजिए। अपने कार्यों को एक निश्चित समय और क्रम में इस तरह से प्लान कीजिए कि हर जरूरी काम समय पर, सही ध्यान और ऊर्जा के साथ पूरा किया जा सके। याद रखिए कि आपको प्लानिंग में जिंदगी के हर पहलू का ध्यान रखना है। जैसे- करियर, हेल्थ, परिवार, हॉबी।

इवेल्यूएशन करें: हर वीक के अंत में अपना इवेल्यूएशन खुद करें। स्वयं से पूछें कि इस हफ्ते मेरी उपलब्धियां कैसी रहीं? क्या मैं अपने समय का सदुपयोग कर पाया? क्या इसमें और सुधार की जरूरत है? इन सब प्रश्नों के उत्तर आपको हर हफ्ते अपने टाइम मैनेजमेंट को इंप्रूव करने में मदद करेंगे।

ना करें टाइम वेस्ट: आज के समय में सोशल मीडिया लोगों का समय वेस्ट करने वाला सबसे बड़ा जरिया बन गया है। हम अनजाने में दिन के कई घंटे इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, यू ट्यूब या फेसबुक पर बिता देते हैं। जरूरी है कि हम इन चीजों के इस्तेमाल पर नियंत्रण रखें। आप खुद तय कर सकते हैं कि दिन में कितना समय इनको देना है। यह समझना जरूरी है कि हर काम के लिए 'हां' कहना जिम्मेदारी नहीं, कमजोरी बन सकता है। जब जरूरत हो, तो 'ना' कहना सीखें, ताकि आप अपने समय और ऊर्जा को सही दिशा में लगा सकें। *

यादें
अशोक वाधवाणी

हिंदी सिनेमा के आरंभिक दौर से ही रोमांटिक दृश्यों को प्रभावी बनाने के लिए सावन और बारिश के माहौल का इस्तेमाल किया जाता रहा है। ऐसे ही एक यादगार गीत 'रिमझिम गिरे सावन' से कुछ दिलचस्प बातें जुड़ी हुई हैं।

कुछ इस तरह फिल्माया गया था पॉपुलर गाना रिमझिम गिरे सावन...

सावन और बरसात का हिंदी फिल्मों से पुराना कनेक्शन रहा है। बीते दौर की ब्लैक एंड व्हाइट फिल्मों से लेकर आज तक हिंदी फिल्मों में बरसात में भीगते हुए नायक-नायिका पर रोमांटिक गाने फिल्माने की परंपरा चल रही है। इस तरह के प्रयोग अकसर ही फिल्म और गाने को हिट कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बारिश में फिल्माए गए कई गाने इतने लोकप्रिय हुए हैं कि आज भी बारिश के मौसम में भीगने पर आम लोगों को भी उनकी पंक्तियां याद आ ही जाती हैं। ऐसे ही यादगार गानों की कड़ी में शामिल है वर्ष 1979 में रिलीज हुई फिल्म 'मंजिल' के का वो सुपरहिट गीत 'रिमझिम गिरे सावन...', जिसे फिल्माया गया था अमिताभ बच्चन और मौसमी चटर्जी पर। देखा जाए तो इस गाने की लोकप्रियता में बरसात ने उत्प्रेरक का काम किया। बासु चटर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म 'मंजिल' मृणाल सेन द्वारा निर्देशित बांग्ला फिल्म 'आकाश कुसुम' (1965) का रीमेक है। इस फिल्म की कहानी को दर्शकों, समीक्षकों की समान रूप से सराहना मिली थी।

बैकग्राउंड में बजता है गाना: फिल्म 'मंजिल' के इस लोकप्रिय-कर्णप्रिय गीत 'रिमझिन गिरे सावन, सुलग-सुलग जाए मन...' को लिखा था योगेश ने और इसका सुरीला संगीत दिया था आर.डी. बर्मन ने। दिलचस्प बात यह है कि इस गाने को लता मंगेशकर और किशोर कुमार ने आवाज दी है, तो भी यह युगल गीत नहीं है। ये गाना अमिताभ बच्चन और मौसमी चटर्जी पर बारिश में भीगते हुए फिल्माया गया है। लेकिन पर्दे पर इन दोनों कलाकारों को यह गाना गाते हुए नहीं

दिखाया गया है। पूरे सीक्वेंस के दौरान केवल बैकग्राउंड में बजता रहता है- रिमझिम गिरे सावन...।

असली बारिश में फिल्माया गया: इस लोकप्रिय गीत के साथ एक दिलचस्प बात यह भी जुड़ी है कि इसको मुंबई की असली बारिश में अलग-अलग लोकेशंस पर तीन दिनों तक पिक्चराइज किया गया था। मुंबई के मरीन ड्राइव, गिरगांव चौपाटी, फोर्ट, गेट वे ऑफ इंडिया, ओवल मैदान, हुतात्मा चौक आदि दक्षिण मुंबई के दर्शनीय स्थानों पर इसे शूट किया गया। अमिताभ और मौसमी ने भी इस गाने में स्वाभाविकता लाने की कोशिश की, जिसमें दोनों सफल भी हुए। सूट, टाई पहने अमिताभ और सीधी-सादी साड़ी पहने मौसमी बिना छाते के बारिश में भीगते, अठखेलियां करते हुए टहलते दिखते हैं। बारिश से बचने के लिए इनके पास कोई छाता या रेन कोट नहीं होता है। वहीं हाथों में छाता थामे हुए लोगों का हुजूम, इन्हें भीगते हुए देखता है।

गाने का हर दृश्य है कमाल: इस गाने में बेहद सादगीपूर्ण ढंग से बारिश की मस्ती और प्रेम की भावना को दर्शाया गया है। हाथों में हाथ डाले प्रेमियों की भांति अमिताभ-मौसमी का भीगना बहुत अच्छा लगता है। समंदर किनारे बनी दीवार पर अमिताभ का हाथ पकड़े हुए मौसमी का चलना-फिरना, अमिताभ का दोनों हाथों से पकड़ कर मौसमी को नीचे उतारना, चेहरे पर जमी बारिश की बूंदों को मौसमी द्वारा अपनी साड़ी के पल्लू से पोंछना, ये सारे दृश्य सुंदर, स्वाभाविक और कमाल बन पड़े हैं।

पूरे गाने में दोनों कलाकारों का उत्साह देखते ही बनता है। बालमन जिस तरह बिंदासपन के साथ बारिश में उछलता-कूदता है, बिल्कुल वही उमंग, उत्साह, उल्लास, ऊर्जा दिखती है दोनों में। गोथिक शैली की ब्रिटिशकालीन बड़ी-बड़ी इमारतों के सामने, नारियल के पेड़ों के पास खुले मैदान के गड्ढों में भरे पानी को पूरे जोश-जुनून के साथ पैरों से छपाक मारना, अमिताभ-मौसमी का मासूम अल्हड़पन, ...गाने का एक-एक फ्रेम, एक-एक दृश्य बेहद खूबसूरत बन पड़ा है। *

आकाशवाणी सार्वजनिक क्षेत्र की रेडियो प्रसारण सेवा है, जो लगभग एक सदी से ज्ञान, सूचना और मनोरंजन का साधन बना हुआ है। आगामी 23 जुलाई को आकाशवाणी के स्थापना दिवस पर इसकी अब तक की यात्रा पर एक नजर।

अतीत से अब तक बरकरार आकाशवाणी की महत्ता

जानकारी
पूनम पांडे

आज आभासी दुनिया और तकनीक से सब कुछ जान लेने वाली पीढ़ी को अगर साढ़े चार दशक पहले के भारत की यह खास बात बताई जाए कि आकाशवाणी जीवन का एक अटूट हिस्सा हुआ करता था तो शायद वो एकदम से यकीन न करे। पर यही तब के समय का सच था।

आकाशवाणी की शुरुआत

आकाशवाणी की स्थापना 23 जुलाई 1927 को की गई थी। उस समय इस सेवा का नाम भारतीय प्रसारण सेवा (इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन) रखा गया था। तब देश में रेडियो प्रसारण की शुरुआत मुंबई और कोलकाता में दो निजी ट्रांसमीटरों से की गई थी। 1930 में इसका राष्ट्रीयकरण हुआ। 1936 में इसका नाम ऑल इंडिया रेडियो रखा गया और 1957 में इसे आकाशवाणी नाम दिया गया।

जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका

उस दौर में भारत में साक्षरता दर बहुत कम थी। वे दुनिया की दौड़ में बहुत पीछे थे। आकाशवाणी के माध्यम से बड़े ही सरल ढंग से आम बोल-चाल की भाषा में विभिन्न प्रकार की जानकारियां आम लोगों तक उपलब्ध कराई जाती थी। दूर-दराज के

ग्रामीण इलाके में लोगों से जुड़कर और उनको जागरूक करने में रेडियो पर प्रसारित होने वाले आकाशवाणी के कार्यक्रमों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। भारत के राष्ट्रीय प्रसारक के रूप में, ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर) यानी आकाशवाणी आज भी जनता को मनोरंजन, सूचना एवं ज्ञानपरक सेवाएं दे रहा है। आकाशवाणी शुरुआत से ही अपने आदर्श वाक्य 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' का अनुसरण कर रहा है।

आकाशवाणी का व्यापक नेटवर्क

अपनी स्थापना के बाद से धीरे-धीरे आकाशवाणी के नेटवर्क का विस्तार होता गया। आज आकाशवाणी का तेइस भाषाओं और एक सौ छियालीस बोलियों में प्रसारण होता है। आकाशवाणी का व्यापक नेटवर्क देश की लगभग पूरी आबादी एवं क्षेत्र को कवर करता है।

हर तरह का मनोरंजन

आकाशवाणी समस्त भाषायी प्रदेशों की जनता के लिए गीत-संगीत, नाटक, गोष्ठियां, वार्ताएं, रूपकों, संस्मरणों आदि मनोरंजक कार्यक्रमों का प्रसारण करता है। इसके अलावा आकाशवाणी की विविध भारती सेवा फिल्मी गीतों को समर्पित होती है। आकाशवाणी पर समस्त कार्यक्रमों का लगभग पचास प्रतिशत समय मनोरंजन परक कार्यक्रमों के लिए होता है।

सूचना, शिक्षा एवं ज्ञान भी

आकाशवाणी पर हर एक घंटे पर मुख्य समाचार प्रसारित किए जाते हैं। इसके अलावा प्रातःकाल और सायंकाल में 15 मिनट की अवधि का समाचार बुलेटिन प्रसारित होता है। यह समाचार बुलेटिन हिंदी और अंग्रेजी भाषा में प्रसारित किया जाता है। बुलेटिन को इस तरह से तैयार किया जाता है कि श्रोता को उसे समझने के लिए किसी भी शब्दकोश का सहारा न लेना पड़े। आकाशवाणी पर श्रोताओं के विभिन्न समस्याओं को लेकर वार्ताएं भी प्रस्तुत की जाती हैं। अनुसंधानों के परिणामों, अभिभाषणों की कार्यवाही को लिपिबद्ध करके प्रस्तुत किया जाता है। इसके अंतर्गत कृषि, विज्ञान संबंधी शिक्षा देना भी शामिल होता है। आकाशवाणी के माध्यम से स्कूल तथा कॉलेज की कक्षाओं के लिए रेडियो द्वारा पाठ्य विषयों पर चर्चाएं भी प्रसारित की जाती हैं।

कायम है प्रासंगिकता

देखा जाए तो आज भी रेडियो और आकाशवाणी जनसंचार का सशक्त माध्यम बना हुआ है। इसने गांव-गांव तक ज्ञान की चेतना को पहुंचाने का अविस्मरणीय कार्य किया है। हालांकि आज संचार के विविध माध्यम, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और हर हाथ में मोबाइल की पहुंच ने रेडियो और आकाशवाणी के अस्तित्व को चुनौती अवश्य दी है, लेकिन इसकी कुछ अनूठी विशेषताओं के कारण आज भी इसकी लोकप्रियता, उपयोगिता एवं प्रासंगिकता बनी हुई है। *

खान-पान
चेतना झा

बारिश का मौसम और पकौड़े का कनेक्शन तो आप जानते ही हैं! लेकिन यहां हम आपको देश के अलग-अलग हिस्सों में खाए जाने वाले कुछ जायकेदार मानसूनी व्यंजनों के बारे में बता रहे हैं, जिनका स्वाद आप कभी भुला नहीं पाएंगे।

जायकेदार मानसूनी व्यंजनों का स्वाद

लाजवाब राजस्थानी दाल-बाटी-चूरमा: राजस्थान की धरती पर बारिश की बूंदें स्वाद की नई बयार भी लेकर आती हैं। बारिश हुई नहीं कि गोठ के प्रोग्राम बनने लगते हैं। गोठ यानी, प्रकृति के करीब या पार्कों में जाकर सामूहिक पिकनिक मनाना। अपनों के साथ खुले सुखद परिवेश में दाल-बाटी चूरमे का रसास्वादन सबसे ज्यादा चलन में है। सावन के महीने में तीज और राखी जैसे पर्व पर यहां की फिजा में घेवर की खुशबू भी घुल-मिल जाती है। घेवर में स्वाद की इतनी विविधता मिलती है कि आप चखते जाएंगे पर इसका अंत नहीं होगा। मेवाड़ क्षेत्र में घूमिए तो

दाल-बाटी-चूरमा

गली-गली से उठती पकौड़े, मालपूए की सुगंध भूख बढ़ा देती है। इसके साथ ही भुट्टे की सब्जी के साथ घी चुपड़ी रोटी का स्वाद कभी नहीं भुला पाएंगे।

यूपी में अंगीठी वाली मीठी रोटी: अब बात यूपी की अंगीठी वाली मीठी रोटी, अरबी के पत्ते के पकौड़े, अगस्त्य के फूल के पकौड़े की। भिगोकर पीसी गई उड़द और चने की दाल को हरी मिर्च, धनिया, अदरक डाल कर भून देते हैं, फिर धो-सुखा कर, अरबी के पत्तों पर इन्हें लपेट कर स्टीम देते हैं। इसके बाद बनती है इनकी पकौड़ी। लंबी प्रक्रिया है लेकिन बरसात आते ही घर-घर में इसे बनाया और चाव से खाया जाता है।

अगस्त्य के फूल के पकौड़े

धुसका-बर्रा

झारखंड में धुसका-बर्रा: 'धुसका बर्रा खाएंगे, झारखंड में बस जाएंगे...' इस गाने की पंक्तियों की तरह ही हिट है झारखंड का धुसका-बर्रा। सच है, बारिश के दिनों में झारखंड की हरी-भरी धरती पर धुसका खाने के बाद किसी का भी दिल यहां बस जाने को करेगा। बराबर की मात्रा में चना दाल और अरवा चावल को भिगोकर उसमें जीरा, मिर्च आदि मसाले मिलाकर पीसा जाता है फिर तुरंत ही तल कर बनाते हैं धुसका। आलू की खट्टी-मीठी सब्जी के साथ इसका लुत्फ उठाया जाता है। इनके अलावा यहां रूगड़ा भी इस मौसम में खूब चाव से खाया जाता है। इसे 'शाकाहारी मटन' भी कहा जाता है।

एमपी में दाल-बाफला: पश्चिमी मध्य प्रदेश का एक बड़ा हिस्सा है मालवा। यहां बारिश की बूंदें दाल-बाफला का संदेश लेकर आती हैं। बाफला यानी आटे की बाटी को कंडे की आग में पका कर तैयार किए गए सोंधे-सोंधे बड़े। पकाने के बाद इन बड़ों से राख झाड़ कर घी की कटोरी में डुबो देते हैं, फिर खट्टी-मिठ्ठी दाल के साथ इसका स्वाद लिया जाता है। *

बिहार की कचरी-मूरही और लिट्टी-चोखा

बिहार में बारिश होते ही लिट्टी और बैंगन के चोखे के अलावा कचरी-मूरही की तलब जगने लगती है। कचरी यानी लच्छे में कटे प्याज में कटी हरी मिर्च, लहसुन, अदरक, बैंगन, फूलगोभी और मसाले डाल कर बेसन के घोल में लपेट कर तैयार पकौड़े। मूरही यानी पफ्ड राइस या मुरमुरे। बारिश में गरमा-गरम कचरी के साथ मूरही का स्वाद भुलाया नहीं जा सकता है। लिट्टी के लिए चने के सत्तू में बारीक कटी हरी मिर्च, धनिया पत्ती, अदरक, लहसुन, नीबू का रस, अजवाइन, कलौंजी, नमक और कुछ बूंदें सरसों के तेल डाल कर मिश्रण तैयार किया जाता है। गूंथे आटे की गोली में यह मिश्रण डाल कर गोइठे या कोयले की आग में पकाया जाता है। फिर इसी आंच पर बैंगन को भून कर चोखा तैयार किया जाता है। इसका स्वाद एक बार अगर जुबान पर चढ़ गया तो यकीन मानिए, इसे बार-बार खाने का जी करेगा।